हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 341, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 30 मई, 2022 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता

भाजपा प्रदेश की कार्यसमिति की बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ बोले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की पहली कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के अटल बिहारी बाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में भाजपा कार्यसमिति की एक दिवसीय बैठक में मुख्यमंत्री का स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों सहित अन्य आमंत्रित नेताओं को इस मौके पर संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय मिली। यह शानदार और ऐतिहासिक विजय सभी के परिश्रम से मिली है। इस विजय के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने कई बड़े अंधविश्वास भी तोड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तमाम मिथकों को तमाम षड्यंत्रों को धूल धूसरित करते हुए भाजपा ने उत्तर प्रदेश में अपना कार्यकाल पूरा करके दोबारा सरकार बनाई है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने सभी मिथकों को तोड़ा है। भाजपा सरकार तो देश के साथ ही उत्तर प्रदेश में मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। जनता ने भाजपा की सरकार पर भरोसा जताया है। हम भी इनके भरोसे पर खरा उतरने में लगे हैं। हमारे कोरोना प्रबंधन की हर तरफ तारीफ हुई। अब तो पीएम मोदी के नेतृत्व में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमको लोकसभा चुनाव 2024 के लिए हमें अभी से लगना होगा। हमको केन्द्र और राज्य सरकार की बात और उनके कार्य को लेकर घर-घर पहुंचना है। हमें हर जगह पर अपना मन बड़ा करना होगा। टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता-छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता। प्रदेश में 37 वर्ष कोई सरकार दोबारा बनी है। उत्तर प्रदेश में किसी सरकार द्वारा अपना कार्यकाल

कुशलतापूर्वक पूर्ण करके फिर से सरकार बनाने का अवसर 37 वर्ष बाद आया है। भाजपा कार्यकर्ताओं का इसके लिए अभिनंदन है। इतना ही नहीं पहली बार विधान परिषद में पूर्ण बहुमत मिला है। अब दोनों सदनों में भाजपा को पूर्ण बहुमत है। प्रदेश में ऐसा पहली बार है जब दोनों सदनों में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला है। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण प्रारंभ हो गया है। पीएम मोदी ने लगातार आठ वर्ष साल का कार्यकाल पूरा किया है। अब देश नए भारत की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा 130 संकल्पों के साथ उतरी थी। इनमें से 97 संकल्प पूरे करने लिए हमने पहले ही बजट में व्यवस्था कर ली है। हम तो हर नौजवान को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान से आज गांव की तस्वीर बदल रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश आज दूसरे नंबर पर है। आज उत्तर प्रदेश दंगामुक्त प्रदेश है। आज हर त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होते हैं। आज सड़कों पर नमाज नहीं होती है। धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर उतारे गए हैं। आज उत्तर प्रदेश की की एक अलग पहचान बन चुकी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के संकल्प स्वच्छता अभियान से हमने कई बीमारियों को हराया है। इतना ही नहीं इंसेफ्लाइटिस जैसी बीमारी पर काबू पाया गया है। पहले तो इंसेफ्लाइटिस बीमारी मासूमों को निगल जाती थी। इस पर प्रभारी कार्ययोजना से 95 प्रतिशत मौत को रोका गया गया है। आज 47 लाख गरीबों को आवास उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल, प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) कर्मवीर, प्रदेश महामंत्री जेपीएस राठौर, गोविंद नारायण नारायण शुक्ल, अश्वनी त्यागी, अमर पाल मौर्य, सुब्रत पाठक, प्रियंका रावत, अनूप गुप्ता के साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह भी मौजूद हैं।

सितंबर से हर माह चार वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई जाएगी हरी झंडी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का ऐलान

भुवनेश्वर। केंद्रीय रेल मंत्री ने शनिवार को ऐलान किया कि आगामी सितंबर माह से हर माह चार वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत की जाएगी। नेशनल रेलवे अवार्ड समरोह के दौरान रेलमंत्री ने कहा, 'हम रेल को नई ऊंचाईयों पर ले जाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। सितंबर से हर माह 4-5 वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया जाएगा और बुलेट ट्रेनों का काम भी प्रगति पर है।' इससे पहले शुक्रवार को भारतीय रेलवे ने बताया था कि भारत में दो वंदे भारत ट्रेनें पहले से ही चल रही हैं। इनमें से एक नई दिल्ली से वाराणसी और दूसरी नई दिल्ली से वैष्णोदेवी कटरा को जाती हैं। अब इसे नई दिल्ली-चंडीगढ़ या नई दिल्ली-अमृतसर के रूट पर भी दौड़ाया जा सकता है। अगस्त तक दो और वंदे भारत सेमी हाई स्पीड ट्रेनों के शुरूआत की उम्मीद है। इनका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। चेन्नई के इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में इसका निर्माण हो रहा है। रेल मंत्री ने कहा, 'भारत के सभी क्षेत्रों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के माध्यम से जोड़ा जाएगा। यह हम सभी के लिए एक सपना सच होने के जैसा है।' उन्होंने आइसीएफ का दौरा किया और वंदे भारत एक्सप्रेस कोचों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे अगस्त 2023 तक 75 वंदे भारत रैक शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चार भारतीयों समेत 22 लोगों को ले जा रहा विमान लापता, 5 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

काठमांडू। नेपाल में तारा एयर के एक विमान का संपर्क टूट गया है। विमान ने रविवार सुबह उड़ान भरी थी। एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक, तारा एयर के डबल इंजन विमान ने आज सुबह पोखरा से जोमसोम के लिए उड़ान भरी थी। आखिरी बार विमान से सुबह 9 बजकर 55 मिनट पर संपर्क हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि विमान केवल 15 मिनट की उड़ान के लिए गया था और इसमें 22 यात्री सवार हैं। वहीं विमान के 5 घंटे के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर क्रैश होने की आशंका जताई जा रही है।

मुंबई से गया है पूरा परिवार- नेपाल के स्थानीय मीडिया के अनुसार लापता विमान में 4 भारतीय सवार थे जो एक ही परिवार से मुंबई से आए थे। एयरलाइन ने यात्रियों की सूची जारी की है, जिन्होंने चार भारतीयों की पहचान अशोक कुमार त्रिपाठी, धनुष त्रिपाठी, रितिका त्रिपाठी और वैभवी त्रिपाठी के रूप में की है। एयरलाइंस के प्रवक्ता सुदर्शन बरतौला ने कहा कि तीन सदस्यीय नेपाली चालक दल के अलावा चार भारतीय नागरिक, दो जर्मन और 13 नेपाली यात्री इसमें सवार हैं। बता दें कि जोमसोम विदेशी पर्वतारोहियों के लिए एक लोकप्रिय मार्ग है जो पर्वतीय इलाकों पर ट्रेकिंग करते हैं। यहां भारतीय और नेपाली तीर्थयात्री काफी संख्या में श्रद्धेय मुक्तिनाथ मंदिर जाते हैं।

सेना का हेलीकाप्टर सर्च आपरेशन में लगा- नेपाली सेना के प्रवक्ता नारायण सिलवाल ने बताया कि नेपाली सेना का एक एमआई-17 हेलीकाप्टर हाल ही में लेटे, मस्टैंग के लिए रवाना हुआ है। वहीं नेपाल के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता फदींद्र मणि पोखरेल के अनुसार मंत्रालय ने लापता विमान की तलाश के लिए मस्टैंग और पोखरा से दो निजी हेलीकाप्टर भी विमान के सर्च में तैनात किए हैं।

भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया- काठमांडू में भारतीय दूतावास ने इस संबंध में एक आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर +977-9851107021 भी जारी कर दिया है। वहीं दूतावास ने ट्वीट कर बताया कि वह यात्रियों के परिवार के संपर्क में है।

माउंट धौलागिरी पहुंचने के बाद से संपर्क टूटा- वहां के मुख्य जिला अधिकारी नेत्र प्रसाद शर्मा ने एएनआइ को बताया कि विमान को मस्टैंग जिले में जोमसोम के आसमान के ऊपर देखा गया था और फिर उसे माउंट धौलागिरी की ओर मोड़ दिया गया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद से यह संपर्क में नहीं आया है।

2016 में विमान हुआ था क्रैश- बता दें कि साल 2016 में भी तारा का एक विमान लापता होने के बाद क्रैश हो गया था। जानकारी के अनुसार उत्तरी नेपाल के पहाड़ी इलाके में लापता हुए 23 यात्रियों को लेकर तारा हवाई जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में सभी यात्री मारे गए थे। गौरतलब है कि उड़ान का कुल समय 19 मिनट था, लेकिन उड़ान भरने के आठ मिनट बाद विमान ने संपर्क खो दिया था।

केरल में समय से पहले मानसून की एंट्री, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून 3 दिन पहले आज यानी 29 मई को केरल में दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में मानसून केरल के बाकी इलाकों के साथ-साथ कर्नाटक और महाराष्ट्र

की ओर भी बढ़ेगा। मौसम विभाग ने अपनी भविष्यवाणी में बताया कि दक्षिणपश्चिमी मॉनसून आज केरल पहुंच गया है। इससे पहले मानसून के पहुंचने की तरीख 1 जून बताई गई थी। आपको बता दें कि मॉनसून 16 मई को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह पहुंच गया था। इसके साथ ही कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने केरल में 29 मई से 01 जून तक भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं, 30 मई को तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह दक्षिण और तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक अगले 24 घंटे के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और लक्षद्वीप क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। बिहार, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु, दक्षिण कर्नाटक और पश्चिमी हिमालय की तलहटी में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश के पूर्वोत्तर राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। बिहार में भी मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि मानसून समय से पहले आ जाएगा। पिछले साल भी मानसून संभावित तिथि से एक दिन पहले आया था। इस बार 2 दिन पहले आने का पूवार्नुमान है। बिहार में 13 से 15 जून के बीच मानसून की तिथि निर्धारित है।

सपा नेता आजम खान की तबीयत बिगड़ी गंगाराम अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। सपा नेता आजम खान की तबीयत खराब हो गई है, उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहां पर उनका चल रहा है। बताया जा रहा है कि आजम खान को सांस लेने में परेशानी हो रही है। आजम को डाक्टरों की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल सूत्रों ने बताया आजम खान को सांस लेने में परेशानी होने के चलते स्वजन ने उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया। अस्पताल में उनकी हालत भी स्थिर है। फिलहाल वह चिकित्सकों की निगरानी में हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान काफी समय से जेल में बंद थे वहां पर भी उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इससे पहले उन्हें कोरोना हो गया था। उन्हें शनिवार देर शाम दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मालूम हो कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य विधायक आजम खां 812 दिन बाद सीतापुर जिला जेल से हाल ही में रिहा हुए हैं। आजम खां के बड़े बेटे अदीब आजम सबसे पहले जेल पहुंचे थे। इसके बाद आजम खां के विधायक बेटे अब्दुल्ला आजम खां के साथ सपा के विधायक आशु मालिक भी सीतापुर जेल पहुंच गए थे।

फरवरी 2020 से सीतापुर जेल में बंद थे आजम खां- सपा विधायक आजम खां को रामपुर में विभिन्न मामलों में आरोपित होने के बाद 27 फरवरी 2020 में सीतापुर जिला जेल भेजा गया था। उनके साथ उनकी पत्नी डा तजीन फात्मा तथा छोटे पुत्र अब्दुल्ला आजम भी सीतापुर जेल भेजे गए थे। करीब 10 माह बाद पत्नी तजीन फात्मा को जमानत मिल गई थी। अब्दुल्ला आजम 15 जनवरी 2022 को रिहा हुए थे। जमानत मिलने के बाद आजम खां करीब 27 महीने बाद रिहा हो गए।

जेल में रहकर बने विधायक- जिला जेल में बंद आजम खां ने विधानसभा चुनाव भी जेल से ही लड़ा। चुनाव जीतकर वह रामपुर सदर सीट से विधायक बने। बीते माह सपा विधायक से नेताओं की मुलाकात खासी चर्चा में रही। प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव की मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम भी जिला जेल पहुंचे थे।

शूटआउट के बाद फरार अपराधी का घर बुलडोजर से ढहाया, प्रयागराज पुलिस ने कहा- सबक सिखाना जरूरी

प्रयागराज। प्रयागराज में फाफामऊ के रूदापुर गांव में शनिवार दोपहर भट्ठा मालिक के बेटे की गोली मारकर हत्या और दो लोगों को घायल करने के आ?ोपित व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने आज रविवार को सख्त एक्शन लिया। एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल के नेतृत्व में पुलिस आरोपितों के घर पर बुलडोजर लेकर पहुंच गई। बादशाह लिखे मकान पर पुलिस टीम बुलडोजर लेकर पहुंची तो मोहल्ले के लोग सन्न रह गए। एसपी गंगापार ने वहां ऐलान किया कि अगर सभी नामजद अभियुक्त हाजिर नहीं हुए तो घरों को भी ढहा दिया जाएगा। दोपहर बाद बुलडोजर एक्शन में आया और सिकंदर के एक पुत्र जावेद अहमद का घर ढहा दिया गया। रूदापुर गांव निवासी ईंट भट्ठा संचालक अतीक अहमद का पुत्र मुदस्सिर अपने भाई बसीर अहमद और असरौली पूरामुफ्ती के आकिब के साथ शनिवार दोपहर स्कार्पियो कार में भट्ठा से घर लौट रहा था तभी बाइक सवार लोगों ने रोककर गोलियां बरसाई थीं। गाड़ी में मौजूद तीन लोगों मुदस्सिर, बसीर और आकिब को गोली लगी। फायरिंग की आवाज सुनकर लोग उधर दौड़े तो हमलावर बाइक पर भाग निकले। इस मामले में सिकंदर बादशाह के चार बेटों के खिलाफ केस लिखा गया है। घटना के बाद से चारों आरोपितों समेत परिवार के लोग भी फरार हैं। पुलिस का कहना है कि 10 बिस्सा जमीन के झगड़े में यह दुस्साहिसक वारदात अंजाम दी गई है। घटना के 24 घंटे बाद भी एक भी नामजद आरोपित नहीं पकड़ा जा सका तो पुलिस ने हाल फिलहाल का सबसे हॉट फामूर्ला अपनाया। रविवार दोपहर एसपी अभिषेक अग्रवाल पुलिस फोर्स के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे तो मोहल्ले में सन्नाटा छा गया। सिकंदर बादशाह के घर में कोई नहीं था। महिलाएं भी नदारद थी। एसपी गंगापार ने कहा कि सिकंदर के बेटों ने एक तो ऐसी कारगुजारी की, फिर फरार हो गए।

भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर बना अमेरिका, चीन हुआ पीछे

नई दिल्ली। चीन के साथ भारत के तनावपूर्ण संबंध से दुनिया अवगत है। इस क्रम में चीन को पीछे करते हुए अब भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर अमेरिका बन गया है। यह साल 2021-22 के डेटा से सामने आया है। इससे पहले चीन ही भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर था। इससे यह साफ है कि अमेरिका के साथ भारत के मजबूत आर्थिक संबंधों को दशार्ता है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले वर्षों में भी अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार में बढ़त का ट्रेंड जारी रहेगा दोनों देश अपने आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने में जुटे हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार साल 2021-22 में अमेरिका और भारत के बीच 119.42 अरब डालर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ जो 2020-21 में 80.51 अरब डालर था। अमेरिका का निर्यात 2021-22 में बढ़कर 76.11 अरब डालर हो गया। बता दें कि यह 2020-21 में 51.62 अरब डालर था। वहीं 2020-21 में लगभग 29 अरब डालर की तुलना में आयात बढ़कर 43.31 अरब डालर हो गया। बता दें कि 2021-22 में चीन के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 115.42 अरब डालर का हो गया जो 2020-21 में 86.4 अरब डालर था। चीन को 2020-21 में 21.18 अरब डालर का निर्यात किया। पिछले वित्त वर्ष में ये 21.25 अरब डालर था। वहीं 2021-22 में आयात लगभग 65.21 अरब डालर से बढ़कर 94.16 अरब डालर हो गया। 2021-22 में ट्रेड गैप बढ़कर 72.91 अरब डालर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 44 अरब डालर था। चीन की तुलना में भारत पर है अधिक भरोसा फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के वाइस प्रेसिडेंट खालिद खान ने कहा कि 'भारत एक ट्रस्टेड ट्रेडिंग पार्टनर के रूप में उभर रहा है और ग्लोबल कंपनियां अपनी सप्लाई के लिए चीन पर निर्भरता कम कर रही हैं और भारत जैसे अन्य देशों में कारोबार का विस्तार कर रही हैं।

आयुर्वेद में गुणवत्ता, शोध और अनुसंधान का समय हमें चुनौतियों को स्वीकार करना होगा : राष्ट्रपति

उज्जैन। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द रविवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के 59वें अधिवेशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज आयुर्वेद में गुणवत्ता, शोध और अनुसंधान का समय है। हमारे सामने अनेक चुनौतियां हैं। आहार, दिनचर्या ओर रितुचर्या के बारे में आयुर्वेद में ही बताया जाता है। जन सामान्य में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। ऐसे लोग तैयार करें तो उपचार में योगदान कर सकें। लोगों को उपचार के लिए अनुसंधान निरंतर जारी रहे। सुखी जीवन का परम ध्येय बेहतर स्वास्थ्य है इसे सर्वोपरि रखना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत गांवों का देश है और उनमें प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आज भी आयुर्वेद है। आयुर्वेद का अर्थ है आयु का विज्ञान। इसमें स्वास्थ्य रक्षा के साथ ही रोग निवारण पर भी बल दिया जाता है। उम्मीद है आयुर्वेद सम्मेलन के परिणाम देश और दुनिया के लिए लाभदायक साबित होंगे। राष्ट्रपति ने पत्नी के साथ महाकाल मंदिर में भी दर्शन किए। इस मौके पर उनके साथ सीएम शिवराज सिंह चौहान और उनकी पत्नी साधना सिंह भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने शनिवार को

भोपाल से एक देश-एक स्वास्थ्य तंत्र का मंत्र दिया था। आरोग्य मंथन का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, एलोपैथी के विशेषज्ञ चारों पद्धति को समानान्तर उपयोग में लाने की रणनीति को अंतिम रूप दे रहे हैं, जो आरोग्य भारती की देखरेख में किया जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आरोग्य भारती द्वारा आयोजित मंथन का विषय एक 'देश-एक स्वास्थ्य तंत्र-वर्तमान समय की आवश्यकता' रहा। राष्ट्रपति ने आमजन से दैनिक दायित्वों के साथ प्रकृति के अनुरूप सरल जीवन शैली अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा इससे हमारा स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। उन्होंने कहा कि योग को किसी धर्म से नहीं जोड़ना चाहिए। भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति ने विश्व का मार्गदर्शन किया है। योग, प्राणायाम, व्यायाम और आध्यात्मिक शक्ति का बोध कराया है। उन्होंने कहा कि योग से बचने के लिए बहाने ठीक नहीं हैं। योग को लेकर कुछ लोग भ्रांति फैलाते हैं, जबकि निरोग रहने के लिए कोई भेदभाव या भ्रांति आड़े नहीं आनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि देश की एक स्वास्थ्य सेवा के लिए वर्तमान सेवाओं को समझना होगा।

1 लाख रुपये में नाबालिग बेटी को बेचना चाहता था पिता, मां ने विरोध किया तो कर दी हत्या

दादू। पाकिस्तान के लकी शाह सदर इलाके में रहने वाले एक शख्स को पुलिस ने अपनी पत्नी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शख्स का नाम जुल्फिकार जिस्कानी है। वह अपनी कम उम्र की बेटी की शादी ज्यादा पैसों की लालच में करना चाह, जिसका पत्नी बबली जिस्कानी विरोध कर रही थी। इसलिए उसने उसने अपनी पत्नी की हत्या इसलिए कर दी, क्योंकि वह अपनी कम उम्र की बेटी की शादी का विरोध कर रहीं थी।

पत्नी की गला घोंटकर की हत्या- डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता के भाई मुनव्वर जिस्कानी ने पुलिस को बताया कि जुल्फिकार ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या इसलिए कर दी, क्योंकि उसकी पत्नी अपनी नाबालिग बेटी हुमेरा को शादी के लिए एक व्यक्ति को एक लाक रुपये में सौंपने के अपने पति के प्रयासों का विरोध कर रही थी।

दो बेटियों को भी पैसों के लिए बेच दिया- साथ ही, मुनव्वर ने पुलिस को बताया कि जुल्फिकार जिस्कानी ने अपनी दो अन्य बेटियों को भी पैसों के लिए बेच दिया था. छछार थाने के थाना प्रभारी (एसएचओ) साजिद गंभीर ने कहा कि बबली जिस्कानी के

भाई मुनव्वर की शिकायत पर संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है।

जल्द शुरू की जाएगी जांच- डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने यह भी कहा कि कथित हत्या के संबंध में जल्द ही जांच शुरू की जाएगी। सहवान अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद बबली जिस्कानी का शव उसके वारिसों को सौंप दिया गया।

संपादकीय

सियासत के परिसर

शिक्षण संस्थानों को राजनीतिक दखलंदाजी से दूर रखने के मकसद से विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता दी गई थी। उनमें होने वाली नियुक्तियों, शोध-अनुसंधानों आदि को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियम-कायदे तय जरूर करता है, मगर शैक्षणिक गतिविधियों और अनुशासनात्मक मामलों में निर्णय लेने को विश्वविद्यालय स्वतंत्र हैं। मगर विचित्र है कि अब विश्वविद्यालयों में राजनीति इस कदर पैठ बना चुकी है कि तमाम नियुक्तियों से लेकर पाठ्यक्रमों आदि के निर्धारण और पठन-पाठन संबंधी गतिविधियों तक में सत्ताधारी दलों की इच्छा काम करने लगी है। यह आज की बात नहीं है। वर्षों से विकसित होते-होते आज यह परिपाटी इस स्थिति में पहुंच गई है। यही वजह है कि अब विश्वविद्यालयों के कुलपतियों आदि की नियुक्ति को लेकर कई राज्यों में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच तल्खी उभर आती है। चूंकि राज्यों द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति वहां के राज्यपाल होते हैं, और उन्हें नियुक्तियों आदि में हस्तक्षेप का अधिकार है, इसलिए कई बार देखा जाता है कि जिन लोगों के नाम चयन समिति सुझाती है और उनमें से जिस व्यक्ति को राज्य सरकार अनुमोदित करती है, उसे राज्यपाल अस्वीकृत कर देते हैं। चूंकि राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है, इसलिए पिछले काफी समय से राज्यपाल केंद्र की मंशा के अनुरूप ही काम करते देखे जाते हैं। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच जब-तब उभर आता टकराव इसी का नतीजा है। पश्चिम बंगाल सरकार ने इसी टकराव को दूर करने के मकसद से अब ऐसा कानून बनाने का कदम उठाया है, जिसके तहत राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति मुख्यमंत्री होगा। इस कदम के पीछे इरादा साफ है कि विश्वविद्यालयों में राज्यपाल का हस्तक्षेप बंद हो। अब कुलपति की नियुक्ति और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े फैसले करने को राज्य सरकार स्वतंत्र होगी। दरअसल, विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति इसलिए सरकारों के लिए अहम होती है कि वे उसके जरिए बौद्धिक जमात को अपने पक्ष में करने का प्रयास करती हैं। इस तरह वे परिसरों में अपने विद्यार्थी संगठनों को भी सक्रिय करने में अधिक सफल हो पाती हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल चूंकि सरकार के काम में कुछ अधिक ही हस्तक्षेप करते देखे जाते हैं, इसलिए ममता बनर्जी के लिए विश्वविद्यालयों को अपनी मुट्ठी में करने का मौका नहीं मिल पा रहा था। हालांकि राज्यपाल को विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति जरूर बनाया गया, पर इससे पहले शायद ही कभी देखा गया कि वे राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों आदि के संचालन में अवरोध पैदा करते रहे हों। यह एक तरह से शोभा का पद ही अधिक रहा है। मगर जबसे राजनीतिक गुणा-भाग करके राज्यपालों की नियुक्ति की जाने लगी है और केंद्र सरकार उनसे अपेक्षा करने लगी है कि वे केंद्र की मंशा के अनुरूप काम करें और राज्य सरकारों पर नजर रखें, तबसे विश्वविद्यालयों की गतिविधियों पर भी अंकुश लगाने की कोशिश देखी जाने लगी है। जिन राज्यों में केंद्र से अलग दल की सरकारें हैं, वहां इसे लेकर अक्सर टकराव की स्थिति पैदा हो जाती है। यह अकेले पश्चिम बंगाल की समस्या नहीं है। कुछ महीने पहले तमिलनाडु ने भी कानून पारित कर राज्यपाल के बजाय मुख्यमंत्री को कुलाधिपति बनाने का रास्ता साफ कर दिया। राजस्थान सरकार भी ऐसा कानून लाने जा रही है। भले राज्य सरकारें इस कदम को परिसरों की स्वायत्तता सुरक्षित रखने का प्रयास बता रही हों, पर यह तो साफ हो गया कि वह अब कहीं नहीं बची है। शैक्षणिक परिसर अब राजनीति के अखाड़ों में तब्दील हो चुके हैं।

है यही संदेश !

संविधान से आया चलता ।
अब तक अपना देश ।।
आगे भी चलेगा ।
है यही संदेश ।।
नियम और कानून ।
है अपना आधार ।।
होगा करना पालन ।
हो ऐसा व्यवहार ।।
स्थिति संदेह वाली ।
ले जाती रसातल ।।
चलें समय के साथ ।
है इसी में हल ।।
ना रहना है भ्रम में ।
बांध लें ये गांठ ।।
करना है सहयोग ।
है इसी में ठाट ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अमेरिका की बंदूक संस्कृति

अभिषेक कुमार सिंह

दुनिया का सबसे ताकतवर और विकसित राष्ट्र होने का दावा करने वाला अमेरिका इन दिनों घरेलू हिंसा से जूझ रहा है। वैसे तो इस मुल्क में नस्लीय हिंसा और स्कूलों व धार्मिक स्थलों से लेकर सार्वजनिक जगहों पर गोलीबारी की घटनाएं आम हैं, लेकिन पिछले कुछ समय में इनमें जिस तेजी से इजाफा होता जा रहा है, उसने अमेरिकी प्रशासन और समाज दोनों को हिला दिया है।

हाल में टेक्सास प्रांत के एक स्कूल में अठारह वर्षीय किशोर ने गोलियां बरसा कर उन्नीस बच्चों और दो शिक्षकों को मार डाला। ऐसे में एक बार फिर यह सवाल सामने है कि आखिर यह हिंसा क्यों हो रही है? क्या इसीलिए कि संवैधानिक प्रावधानों के तहत जनता को हथियार रखने की इजाजत मिली हुई है? अगर ऐसा है तो क्यों नहीं इस कानून को खत्म कर दिया जाए? आखिर कैसे मुक्ति पाई जाए इस बंदूक संस्कृति से? अमेरिका में बंदूक संस्कृति की नींव सन 1791 में ही पड़ गई थी। उस वर्ष किए गए संविधान के दूसरे संशोधन में नागरिकों को छोटे हथियार खरीदने और रखने का अधिकार दिया गया था। तब अमेरिका ब्रिटिश शासन के अधीन था और वहां कोई स्थायी सुरक्षाबल नहीं था। इसलिए सरकार और प्रशासन ने तय किया कि आम लोगों को अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए हथियार रखने का अधिकार दिया जाए। लेकिन इस अधिकार ने वहां कितनी समस्याएं पैदा कर दी हैं, इसका अंदाजा पचपन साल पहले तत्कालीन राष्ट्रपति लिंडन बेंस जानसन के दौर में लग गया था। तब अमेरिका में करीब नौ करोड़ बंदूकें आम लोगों के पास थीं। हथियार के मामले में आत्मनिर्भर लोगों के कारण समाज में पैदा हो रही समस्याओं के मद्देनजर ही लिंडन बेंस को यह कहने के लिए मजबूर होना पड़ा था कि अमेरिकी समाज में बंदूकों के कारण हो रही मौतों के पीछे विरासत और संस्कृति का लापरवाह रवैया है। बंदूकों, राइफलों और रिवाल्वर जैसे छोटे हथियारों की यह आत्मनिर्भरता कितना घातक रूप धारण कर चुकी है, इसका उदाहरण सिर्फ इसी वर्ष (2022) में अब तक ऐसी सत्ताईस घटनाओं का घटित होना है।

कानून के तहत छोटे हथियार रखने के इस अधिकार के तहत अमेरिका में प्रत्येक सौ नागरिकों के पास एक सौ बीस से ज्यादा हथियार हैं। स्विटजरलैंड की संस्था स्माल आर्म्स सर्वे ने चार साल पहले आकलन पेश किया था कि अमेरिका की तेंतीस करोड़ की आबादी में नागरिकों के पास मौजूद छोटे हथियारों की संख्या करीब चालीस करोड़ तक पहुंच चुकी है। इसी से जुड़ा एक आकलन यह भी है कि दुनिया की छियालिस फीसद बंदूकें तो अकेले अमेरिकियों के पास हैं, जबकि आबादी के मामले में अमेरिका का योगदान सिर्फ पांच फीसद है। उल्लेखनीय यह भी है कि अमेरिका के सिवाय ग्वाटेमाला और मैक्सिको दो और देश हैं जहां जनता को संवैधानिक अधिकार के तहत बंदूकें रखने का हक दिया गया था। हालांकि इन दोनों देशों में भी कम ही नागरिकों के पास हथियार हैं। ऐसा इसलिए है कि ग्वाटेमाला और मैक्सिको में छोटे हथियार खुलेआम नहीं बेचे जाते। मैक्सिको में तो बंदूक बेचने वाली ऐसी सिर्फ एक ही दुकान है और उस पर भी सेना का नियंत्रण है। जबकि अमेरिका में तो ऐसी सैकड़ों दुकानें हैं जहां से बंदूकें फल-सब्जी की तरह खरीदी जा सकती हैं। हथियार खरीदने के लिए वहां लोगों को अपने नाम, पते, जन्मतिथि और नागरिकता की जानकारी देनी होती है। ये हथियार किसने खरीदे, इस जानकारी को संघीय जांच ब्यूरो से साझा किया जाता है जो खरीदार की पृष्ठभूमि जांचने के अलावा सिर्फ यह सुनिश्चित करता है कि कोई खतरनाक अपराधी, नशेड़ी या भगोड़ा अथवा मानसिक रोगी व्यक्ति ऐसा हथियार न खरीद ले। गौरतलब है कि कोरोना काल में समाज में पैदा हुए खौफ के कारण अमेरिकियों ने ऐसे हथियार और भी ज्यादा संख्या में खरीदे। एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2019 से अप्रैल 2021 के बीच वहां पचहत्तर लाख वयस्कों ने पहली बार बंदूक खरीदी। हाल के दो-ढाई वर्षों में अमेरिका में और एक करोड़ दस लाख लोगों के पास बंदूकें आ गईं, जिनमें करीब पचास लाख खरीदार तो नाबालिग ही थे। ऐसे हथियार खरीदारों में से आधी संख्या महिलाओं की भी रही, जो यह दशार्ता है कि महिलाएं अपनी सुरक्षा के लिए वहां की पुलिस और कानून पर ज्यादा भरोसा नहीं कर पा रही हैं। लेकिन हथियारों की यह खरीदारी अमेरिकी समाज और सरकार के लिए कितनी गंभीर समस्या बन गई है, इसे 1968 से 2017 के बीच गोलीबारी में हुई पंद्रह लाख मौतों के संदर्भ से समझा जा सकता है। ये बंदूकें दूसरों की जान लेने के काम ही नहीं आ रहीं, बल्कि आत्महत्याओं के इजाफे का सबब भी बन रही हैं। यूएस सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) का आकलन बताता है कि वर्ष 2020 में अमेरिका में जो पैंतालीस हजार मौतें बंदूकों से हुईं, उनमें आधे से ज्यादा यानी चौवन फीसद मामले आत्महत्या के थे। इस चिंता को अमेरिका में वर्ष 2016 में कराए गए एक अध्ययन में पहले ही प्रकट कर दिया था कि वहां आत्महत्या की बढ़ती दर के पीछे अहम कारण हर घर में बंदूक की मौजूदगी है। स्पष्ट है, जब हथियारों का इतना बड़ा जखीरा किसी देश और समाज में खुलेआम मौजूद होगा, तो उससे जुड़े खतरे भी उतने ही बड़े होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भले ही ऐसी घटनाओं पर चिंता जताई है और सवाल उठाए हैं, पर इसका एक सच यह है कि वहां मौजूद इस बंदूक संस्कृति को बड़े पैमाने पर राजनीतिक संरक्षण हासिल है। अमेरिकी राजनीति में ऐसे कुछ गुट सक्रिय हैं जो बंदूकों की खुलेआम खरीद-फरोख्त जारी रखने के लिए भारी राजनीतिक दबाव बनाए रखते हैं। नेशनल राइफल एसोसिएशन नामक यह समूह इतना ताकतवर है कि पैसे के बल पर अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों को प्रभावित करने में कामयाब हो जाता है। कहा तो यह भी जाता है कि यह समूह अमेरिकी चुनावों तक में भारी पैसा झोंकता है। यही वजह है कि संबंधित कानून में फेरबदल की इच्छा और ऐसी कोशिशें सिरे नहीं चढ़ पाती हैं, जबकि खुद अमेरिकी जनता इससे जुड़े कानून में बदलाव की हिमायती है। गौरतलब है कि दो साल पहले वहां कराए गए एक सर्वे में बावन फीसद लोगों ने बंदूकों की खरीद-फरोख्त संबंधी कानून में सख्ती अपनाने के पक्ष में वोट किया था। राजनीतिक दल डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों में से इनक्यानवे फीसद ने भी ऐसी सख्ती की हिमायत की थी, जबकि रिपब्लिकन पार्टी की ओर से सिर्फ चौबीस फीसद ही ऐसी सख्ती के समर्थन में थे। कानून में कोई तब्दीली नहीं चाहने वालों का प्रतिशत सिर्फ पैंतीस था। एक अहम प्रश्न यह है कि अमेरिका में आखिर लोग पुलिस-प्रशासन पर भरोसा क्यों नहीं करते? उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि किसी भी अपराध से खुद को सुरक्षित रखने का सबसे अच्छा उपाय खुद के पास हथियार रखना ही है? एक साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने इस सवाल का जवाब पाने के लिए जो सर्वेक्षण कराया था, उसमें सामने आया था कि यह समस्या खुद अमेरिकियों को भी काफी परेशान कर रही है। बंदूक से जुड़ी हिंसा देश के बजट घाटे (49 फीसदी), हिंसक अपराधों की दर (48 फीसदी) और कोरोना वायरस संकट (47 फीसदी) जितनी ही बड़ी है। चूंकि इन सभी समस्याओं से पार पाने में सरकारें निरंतर विफल हो रही हैं, इसलिए जनता का भरोसा प्रशासन और सरकार से उठता जा रहा है। इसी वजह से वे बंदूकों की शरण में जा रहे हैं।

मलेरिया से जंग में भारत के सामने क्या चुनौतियां हैं?

प्रो. एन.के. गांगुली

इस समय पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी से उबरने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर मंथन कर रही है और शायद यही सही समय है कि वेक्टर रोग जनित जानलेवा बीमारी मलेरिया पर भी बात की जाये और इसके उन्मूलन की सार्थक रणनीति बनाई जाये। विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2021 के अनुसार दुनिया में वर्ष 2019 में मलेरिया के 22.70 करोड़ मामले थे जो 2020 में बढ़कर 24.10 करोड़ हो गए। अगर मलेरिया से होने वाली मौतों की बात करें तो यह वैश्विक आंकड़ा 2019 के मुकाबले 2020 में 12 प्रतिशत बढ़ा है, यानी 6,27,000 मौतें। यह चिंता का विषय है। भारत के मामले में यह आंकड़ा भयानक है। वर्ष 2020 में दक्षिण-पूर्व एशिया में मलेरिया के 50 लाख मामले सामने आये। इनमें तीन देश ऐसे थे, जहां मलेरिया के कुल 50 मामलों में से 99.7 प्रतिशत मामले थे, और इनमें भारत में मलेरिया के सबसे ज्यादा रोगी (82.5 प्रतिशत) थे।

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में मलेरिया से सबसे अधिक मौतें (82 प्रतिशत) भी भारत में ही हुई हैं। इससे प्रतीत होता है कि मलेरिया जैसी जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिए और इसे हराने के लिए हमें अपनी स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं और इंटरवेंशन को और बेहतर बनाना होगा। वर्ष 2015 में कुआलालम्पुर में आयोजित ईस्ट एशिया सम्मिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक भारत से मलेरिया उन्मूलन की प्रतिबद्धता जताई थी। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद 2016 में नैशनल फ्रेमवर्क फॉर मलेरिया ऐलिमिनेशन तथा नैशनल स्ट्रेटेजिक प्लान फॉर मलेरिया ऐलिमिनेशन (2017-22) भी लांच किया गया। इसके परिणाम तत्काल सामने आने लगे-सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में मलेरिया के मामलों में 69 प्रतिशत तक की कमी आई। भारत एकमात्र हाई-ऐन्डेमिक देश है जहां 2018 के मुकाबले 2019 में मलेरिया के मामलों में 17.6 प्रतिशत की कमी आई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में मलेरिया के कुल 1,57,284 मामले दर्ज किए गए जबकि वर्ष 2019 में यह आंकड़ा 2,86,091 था, यानि कि वर्ष 2020 में मलरिया के मामलों में लगभग 45 प्रतिशत की कमी आई। हालांकि, महामारी के कारण देश भर में स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर असर पड़ा था और 2020 में मलेरिया के रोगियों में आई कमी का संबंध इस दौर में कम दर्ज हुए मामलों से है। मलेरिया की रोकथाम व नियंत्रण के लिए कई इंटरवेंशन की पहचान की गई।

उदाहरण के लिए कीटनाशी-युक्त मच्छरदानी और लंबे समय तक चलने वाले कीटनाशी मच्छरदानी मलेरिया को रोकने के दो प्रभावी तरीके हैं। हालांकि कीटनाशी-युक्त मच्छरदानी का वितरण एक चुनौती है। 2020 में जितनी मच्छरदानियां वितरित करने की योजना थी उनमें से केवल 50 प्रतिशत का वितरण ही संभव हुआ है। दवा के प्रति लोगों का प्रतिरोध भी एक चुनौती है। देश के कुछ हिस्सों में ऐंटी मलेरिया ड्रग रेसिस्टेंस और इनसेक्टिसाइड रेसिस्टेंस की स्थितियां सामने आई हैं, जैसा कि पड़ोसी देशों में ए.सी.टी. रेसिस्टेंस समेत मलेरिया मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंस विकसित हो रहा है। कुछ अन्य महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक इंटरवेंशन का पुनःमूल्यांकन उपयोगी रहेगा ताकि ये पता चल सके कि वे कितने प्रभावी हैं और भारत में इनके विस्तार करने की क्या संभावनाएं हैं। इस विषय में रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट का उल्लेख करना आवश्यक है जो मानव रक्त में मलेरिया परजीवी (ऐंजीजेन) की मौजूदगी का पता लगाकर मलेरिया के डायग्नोसिस में मदद करता है। नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2020 में 2 करोड़ आर.डी.टी. वितरण दर्ज किए। एक अन्य परीक्षण होता है आई.सी.टी. मलेरिया कॉम्बो कैसेट टेस्ट- जिसे एक उपयोगी सपोर्ट टूल के तौर पर देखा जा रहा है, इसकी मदद से उन स्थानों पर मलेरिया को डायग्नोस करने में मदद मिलेगी जहां अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, जहां उत्तम माइक्रोस्कोपी डायग्नोसिस या तो है नहीं या फिर उसकी गारंटी नहीं है। भारत में मलेरिया की व्यापक स्थिति को देखा जाए तो ऐसे कुछ आयाम हैं जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। गर्भावस्था में मलेरिया होना मां, भ्रूण व नवजात के लिए एक बड़ी जटिल स्थिति है। गर्भावस्था में मलेरिया के मामलों में ज्यादा स्कॉलरशिप सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए और उसी के अनुसार ऐसे मामले कम करने की व्यवस्था विकसित करनी होगी। कुछ अध्ययनों में उच्च सकल बोझ के संकेत मिले हैं जो कि 10 प्रतिशत से 30 प्रतिशत की रेंज में है और इस पर ध्यान बढ़ाने की जरूरत है। मलेरिया से लड़ाई में हमें उच्च संक्रमण वाले इलाकों से परिचित होना होगा जैसे आदिवासी इलाके। भारत के नैशनल फ्रेमवर्क फॉर मलेरिया ऐलिमिनेशन (2016-2030) के पास एक ट्राइबल मलेरिया एक्शन प्लान है जो विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में आदिवासी व जातीय जनसंख्या समूहों में मलेरिया रोकथाम व नियंत्रण गतिविधियों का काम करता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा की ये कोशिशें सफल हों।

चन्दन है

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव, जब पहली बार हुआ था। हिन्दी भाषी जन जन के, अन्तर्मन को छुआ था।भावाभिव्यक्ति का संबल पाकर, स्वतंत्रता की लौ धधकी।बज उठा बिगुल आजादी का, सोने की चिड़िया भी

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर खास

चहकी। जुगुल किशोर का प्रयास रंग लाया, आंधी और तूफान से लड़कर। सोने में सुहागा जैसे ,डाल दिया हो किसी ने गढ़ कर।।आज उसी की याद में हम पत्रकारिता दिवस मनाते हैं। बुझने ना पाए लौ इसकी,सरस मशाल जलाते हैं। आज का दिन हिन्दी का वंदन, पत्रकारिता का अभिनंदन है। यह राष्ट्र का चौथा स्तंभ, भारतीय ललाट का चन्दन है।।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

चिंतन और मंथन पर अमल ही कांग्रेस की 'प्राणवायु'

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर से पिछले दिनों एक निजी खबरिया चैनल के एंकर ने पूछा कि राहुल गांधी की छवि को भारतीय जनता पार्टी ने बुरी तरह डेंट कर दिया है, तो क्या उनकी छवि सुधारी जा सकती है? इस पर प्रशांत किशोर ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी जी की छवि वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के बाद सुधारी जा सकती हैं तो फिर राहुल गांधी की क्यों नहीं? एक दूसरी बात, जब कुछ बुद्धिजीवियों से बात हुई तो उनका कहना था कि वे भारतीय जनता पार्टी के विचारों और कृत्यों से सहमत नहीं हैं, लेकिन वोट देकर अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, लेकिन वोट दें तो किसे? बराबर में सामने कोई दावेदार नजर ही नहीं आता है।

कांग्रेस जैसी पार्टी को देश की जनता इस नजरिए से इस प्रकार देखेगी, उसके प्रति इस तरह के विचार रखेगी शायद इस दल के संगठनकर्ता ने सपने में भी सोचा नहीं होगा। निश्चित रूप से इस दल के नेताओं ने अपने कृत्यों से इसका भारी अहित किया है और अब शायद देश की जनता के समक्ष गुनाहगार की अपनी छवि को बचाने का प्रयास करने लगी है। तभी तो उस दल के नेताओं के लिए कहा जा रहा है कि उसकी डेंट छवि को क्या सुधारा जा सकता है तथा मतदाता यह सोचने लगे हैं कि भारतीय जनता पार्टी को नहीं, तो किस और दल को अपना मतदान करें। पिछले दिनों हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में बुरी तरह फ्लॉप होने के बाद अब उसके बड़े नेताओं की समझ में यह बात आ गई है कि यदि अपनी कमजोरी को समय रहते अच्छी तरह जान-समझकर उसे दूर नहीं किया, तो संभव है कुछ वर्षों बाद इसका कोई नामलेवा भी नहीं बचेगा और भारतीय जनता पार्टी का कांग्रेस मुक्त भारत का नारा और सपना, दोनों साकार हो जाएगा। इन्हीं विकट परिस्थितियों के कारण पिछले दिनों राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस ने चिंतन शिविर का आयोजन कर यह जानने और समझने का प्रयास किया कि आखिर अपनी गिरती और दिनोंदिन हास्यास्पद होती जा रही स्थिति को कैसे दुरुस्त किया जाए। सच में मंथन से ही जहर और अमृत, दोनों निकलता है। देखना यह है कि इस नव संकल्प शिविर में हुए मंथन के बाद इस दल को क्या और कितना लाभ मिल पाता है और नेताओं की डेंट छवि कितनी सुधर पाती है। अब समझने का प्रयास करते हैं कि राजस्थान के उदयपुर में आयोजित कांग्रेस के इस तीन दिवसीय संकल्प शिविर में देशभर से आए कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने क्या चिंतन-मंथन किया। पार्टी में विखंडित एकता पर चिंता जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस बात को स्वीकारा कि पार्टी में एकजुटता अनिवार्य है और संगठन

को जीवित रहने के लिए परिवर्तन की भी जरूरत है, इसलिए पार्टी में सुधार भी जरूरी है। पार्टी के कायाकल्प के लिए युवाओं को रिझाने की दिशा में कांग्रेस कार्य समिति से लेकर बूथ स्तर तक संगठन के हर स्तर पर पचास साल से कम उम्र के लोगों के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण देने की बात की गई। संगठनात्मक ढांचे में आमूल परिवर्तन के प्रस्तावों को सामने लाया गया। अपवादों को छोड़कर एक परिवार को एक टिकट देने का फामूर्ला, पूरे साल जनता के मूड भांपने के लिए पार्टी का अपना सर्वे और आकलन विंग, पांच साल तक संगठन में काबिज रहे पदाधिकारी अनिवार्य रूप से पद त्यागें, 15-20 बूथों का एक मंडल और हर ब्लॉक में तीन से पांच मंडल समितियां बनाने का प्रस्ताव पेश किया गया है। संगठन को नकारा नेताओं से छुटकारा दिलाने और अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहन देने का भी कांग्रेस तंत्र बनाने जा रही है। इसके लिए पार्टी में अलग तंत्र बनाने और अनुशासन को भी सख्ती से लागू करने की भी जरूरत पर बल दिया गया। सम्मेलन का आयोजन तो चिंतन शिविर के रूप में किया गया था, लेकिन कांग्रेस ने शिविर से चिंतन शब्द हटा दिया है। पार्टी ने नव संकल्प शिविर के बैनर तले इसमें चर्चा की। इस पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि हार के कारणों पर कोई चर्चा न हो और सभी पार्टी के भविष्य की नई रणनीतियों पर चर्चा करें। पार्टी के लगभग सभी नेताओं का फोकस इस बात को लेकर रहा है कि आने वाले राज्यों के चुनाव और विशेष रूप से वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को किस प्रकार लड़ा जाए और जिन कारणों से उनकी पार्टी पीछे चली गई है, उसे फिर से न दोहराते हुए चुनाव जीतने का संकल्प लिया जाए। विभिन्न मुद्दों पर अपनी चर्चा के दौरान ईवीएम का भी मुद्दा उठा, जिसके लिए कहा गया कि इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। पार्टी के कई असंतुष्ट नेता संसदीय बोर्ड के गठन की मांग कर रहे थे जिसे एक सुझाव के रूप में पार्टी ने स्वीकार भी कर लिया है। सम्मेलन में यह भी योजना बनी कि विधानसभा चुनावों और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव तक आंदोलन के लिए पार्टी की देशव्यापी योजना कैसे तैयार हो, ताकि आम आदमी के बीच मुद्दों को लेकर बड़ा आंदोलन खड़ा किया जा सके। इसके लिए दल के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने जन जागरण अभियान के लिए भविष्य के कार्यक्रमों का खाका भी पेश किया। इसमें कहा गया है कि हम लोगों के बीच मुद्दे को उठाएंगे, तभी पार्टी के उद्देश्यों का मतलब आमजन की समझ में आएगा। रुपये में गिरावट पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा गया कि सरकार कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि पर महंगाई का ठीकरा नहीं फोड़ सकती, क्योंकि महंगाई रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले से बढ़ रही है और डॉलर के मुकाबले रुपयों की कीमत में घोर गिरावट के लिए सरकार की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। धर्मस्थलों पर यथास्थिति रखने के लिए भी कहा गया, क्योंकि ऐसा न करने से टकराव की स्थिति बढ़ेगी। नव संकल्प शिविर में अध्यक्ष बनाए जाने का भी मामला उठा, जिसमें कहा गया कि राहुल गांधी को दो वर्ष से अध्यक्ष बनाए जाने के लिए उन्हें मनाने का प्रयास किया जा रहा है, इसलिए प्रियंका गांधी वाड्रा को अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। कई नेता राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाए जाने के पक्ष में थे। दीपेंद्र हुड्डा और रंजीत रंजन का विचार था कि प्रियंका गांधी को उत्तर प्रदेश की राजनीति तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए।

नो टोबैको-डे 31 मई, स्पेशल

सिगरेट पीने से जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं, इस बारे में तो सब जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि यह हैबिट पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचाती है? दरअसल, सिगरेट पीने के बाद फेंके गए उसके बट्स से खतरनाक प्रदूषण फैलता है। हालांकि इसके प्रति जागरूकता को लेकर कुछ जगहों पर प्रयास शुरू किए गए हैं, लेकिन ऐसे प्रयास तभी सफल होंगे, जब हम सब अपनी भूमिका निभाएंगे।

इंसान-पर्यावरण के लिए

खतरनाक सिगरेट-बट्स

इस साल विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आगामी 31 मई, विश्व तंबाकू निषेध दिवस के लिए थीम का चयन बहुत सोच-विचार कर किया है। इस बार की थीम है 'पर्यावरण की रक्षा करें।' यानी खुद को ही नहीं तंबाकू से दूर रहकर, पर्यावरण का भी बचाव करें। ऐसी थीम रखने की वजह यह है कि शायद अब के पहले कभी यह बात इस शिद्दत से महसूस नहीं की गई हो कि सिगरेट के रूप में तंबाकू का सेवन ना सिर्फ इंसान के लिए जानलेवा है बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी बेहद हानिकारक है।

हार्मफुल है सिगरेट बट: हम सब जानते हैं कि तंबाकू उत्पादों के कचरे में 7,000 से ज्यादा जहरीले रसायन होते हैं। जाहिर है, तंबाकू का यह कचरा विशेषकर सिगरेट के बट जहां डाले जाते हैं, वहां पर्यावरण को भी जबर्दस्त नुकसान होता है, क्योंकि सिगरेट का बट जिस चीज से बनता है, वह सेल्यूलोज एसिटेट होता है। यह कागज और रेयान के साथ मिलकर पानी और धरती दोनों को जबर्दस्त तरीके से प्रदूषित करता है। अमेरिका की एक नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गनाइजेशन ट्रुथ एनीसिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक एक सिगरेट बट से जितना जहर निकलता है, वो ताजे और नमकीन पानी की 50 फीसदी मछलियों को मार सकता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सिगरेट इंसानों जितना ही खतरनाक हमारे पर्यावरण के लिए भी है।

जीव-जंतुओं के लिए जानलेवा: सिगरेट का बट धरती को प्रदूषित करने वाली सबसे खतरनाक चीजों में से एक है। वास्तव में इस बट में जो प्लास्टिक होता है, वो कभी नष्ट नहीं होता है, इसलिए सिगरेट के बट माइक्रोप्लास्टिक से होने वाले प्रदूषणों में सबसे बड़ी वजह बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अगर किसी बहती हुई नदी में एक टन सिगरेट के बट डाल दिए जाएं तो कई सौ किलोमीटर दूर तक उस नदी में ना सिर्फ मछलियां मर जाएंगी बल्कि तमाम दूसरी जलीय वनस्पतियां भी नष्ट हो जाएंगी।

हाल में बढ़ी जागरूकता: अभी कुछ सालों पहले तक शायद दुनिया को इसका अंदाजा ही नहीं था कि यह सिगरेट बट कितना खतरनाक है। यही वजह है कि साल 2020 के पहले तक इस बारे में ज्यादा कोई बात ही नहीं होती थी। सिगरेट के तमाम सारे दुष्प्रभाव सिर्फ इंसान को होने वाले नुकसान तक ही सीमित थे। हालांकि कुछ गिने-चुने पर्यावरणविद तब भी उस ओर इशारा कर रहे थे, लेकिन कोई खास असर नहीं हुआ। साल 2020 में अपने देश में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इसके बारे में केंद्र सरकार के लिए एक दिशानिर्देश जारी किया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि सीपीसीबी की तरफ से भी इस प्रदूषण की रोकथाम के लिए कोई खास पहल नहीं हुई।

हम समझें संकट की गंभीरता: पहले इस बात का अंदाजा लोगों को नहीं होता था कि आखिर इस सिगरेट के बट कितने निकलते ही होंगे। लेकिन इस पर ध्यान देने पर पता चला कि एक छोटे से इलाके में भी हर दिन हजारों सिगरेट के बट फेंक दिए जाते हैं। ऐसे बट्स अगर इसी तरह फेंके जाते रहे तो एक दिन वो पर्यावरण की सबसे अहम समस्या बन जाएंगे। लेकिन किसी को भी इस बात का ख्याल नहीं रहता कि इस जहरीले बट को पारंपरिक कचरे से अलग रखा जाए। इसलिए जब इन जहरीले बटों को गीले-सूखे कचरे में मिला दिया जाता है तो ये अपनी क्षमता से कई गुना ज्यादा जहर फैलाने में सक्षम हो जाते हैं। यह इतना खतरनाक प्रदूषण तत्व है कि हमें इसके बारे में एक ऑथेंटिक डाटा बेस बनाना चाहिए, जिससे पता चले कि हर दिन देश में कितने ऐसे जहरीले बट तैयार होते हैं, जो लोगों के लिए जानलेवा होते हैं।

आज की तारीख में हर उस व्यक्ति को, जो इंसान की जिंदगी के लिए संवेदनशील है, अपने देश और समाज को प्यार करता है, भविष्य की पीढ़ियों के लिए फिक्रमंद है और बिगड़े हुए पर्यावरण को सुधारना अपनी जिम्मेदारी मानता है, उसे प्रदूषण के विरुद्ध अभियानों में हाथ बंटाना चाहिए। ऐसे अभियान वास्तव में धरती और इंसानियत को बचाने की कवायद हैं। *

पर्यावरणविद की कारगर पहल

भारत में निरित दत्ता जैसे कुछ सजग पर्यावरणविदों ने इस मामले को जोरदार ढंग से उठाया। निरित ने इसके लिए एक अभियान शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'बटरश' दिया। इस पहल का उद्देश्य था, सिगरेट के बट को इकट्ठा करके उन्हें रिसाइकिल के लिए भेजा जाना। आईटी प्रोफेशनल निरित ने अपनी लाखों रुपए की लगी-लगाई जॉब छोड़ दी और लोगों को सिगरेट के बट की जहरीली हकीकत बताने में दिन-रात एक कर दिया। वास्तव में निरित दत्ता के अभियान ने देश के लोगों में सिगरेट बट के बारे में जागरूकता फैलाने में अच्छी भूमिका निभाई। शुरुआत में निरित की यह पहल बहुत व्यक्तिगत और स्थानीय थी। लेकिन जब उन्होंने कोलकाता में बड़ी संख्या में युवाओं को इसके बारे में अवेयर किया और उनसे इंसानी जान बचाने के लिए थोड़ी सी मदद मांगी ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके खतरे के बारे में आगाह किया जाए तो नौजवानों ने बढ़-चढ़कर निरित का साथ दिया। साल 2021 में निरित ने बड़ी संख्या में युवाओं के साथ कोलकाता में यह अभियान शुरू किया। बाद में बैंग्लुरु, मुंबई और फिर दिल्ली में भी इस आंदोलन ने अपनी जगह बनाई। *

छत्तीसगढ़ का 'मिनी गोवा'

गंगरेल डैम

छत्तीसगढ़ के सबसे लम्बे बांध के रूप में पहचाने जाने वाले रविशंकर जलाशय, को गंगरेल बांध के रूप में जाना जाता है। इसके बेहतरीन नजारों के कारण ही दूर-दूर से लोग यहां घूमने आते हैं। 1830 मीटर लंबे, सौ फीट ऊंचे इस बांध के पानी से लगभग 57000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाती है। ये मिलाई स्टील प्लांट और नई राजधानी नवा रायपुर को भी पानी उपलब्ध कराता है। बांध में 10 मेगावॉट की हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर प्लांट भी काम कर रहा है। विशालकाय डैम, अंगरमोती माता दर्शन, मानव वन, पिकनिक स्पॉट, एडवेंचर स्पोर्ट्स, वाटर स्पोर्ट्स, जंगल ट्रेकिंग, नाईट कैम्प, बोटिंग के अलावा यहां पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है।

निर्माण में लगे 6 साल

गंगरेल बांध निर्माण के लिए 1965 में सर्वे का काम शुरु हुआ था। वर्तमान जगह पर गंगरेल गांव के पास दो पहाड़ों के बीच इसका निर्माण करने का निर्णय लिया गया। इसका शिलान्यास 5 मई 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। बांध 1978 में बनकर तैयार हुआ। 32.150 टीएमसी क्षमता वाले इस बांध का जलग्रहण क्षेत्र मीलों तक फैला है। 15 हजार क्यूसेक पानी की क्षमता वाले इस बांध में कुल 14 गेट बने हुए हैं। बरसात के दिनों में बांध के गेट खोलने पड़ते हैं और तब यहां का नजारा बेहद शानदार हो जाता है।

आज हम आपको बता रहे हैं धमतरी के पास स्थित गंगरेल डैम के बारे में। महानदी पर बने गंगरेल डैम को रविशंकर जलाशय के नाम से भी जाना जाता है। यह छत्तीसगढ़ का सबसे लंबा बांध है। पर्यटन के लिहाज से गंगरेल डैम पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है। महानदी पर बने इस बेहद खूबसूरत बांध में अथाह जल राशि किसी समुद्री द्वीप जैसा अहसास कराती है। इसी के चलते गंगरेल डैम की पहचान 'छत्तीसगढ़ के मिनी गोवा' के रूप में होती है।

मां अंगारमोती मंदिर

गंगरेल बांध के पास मां अंगारमोती का मंदिर है। मां अंगारमोती माता के प्रति यहां के लोगों में अगाध श्रद्धा है। बताया जाता है कि चंवरगांव में मां अंगारमोती का 600 साल पुराना मंदिर था। गंगरेल बांध के बनने के बाद मंदिर डूब गया था। लोग कहते हैं कि इसके बाद डूबान क्षेत्र चंवरगांव के बीहड़ में माता स्वयं प्रकट हुईं। भक्तों ने 1972 में गंगरेल बांध के पास मां अंगारमोती को स्थापित किया। मान्यता है कि श्रद्धा के साथ जो भक्त यहां नारियल बांधता है, मां उसकी मुराद जरूर पूरा करती हैं।

आर्टिफिशियल बीच और वॉटर स्पोर्ट्स

ये बांध छत्तीसगढ़ के एक बड़े हिस्से के लिए पानी, सिंचाई और बिजली उत्पादन के साथ ही पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण स्थल बन चुका है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस जगह को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर और शानदार बनाया गया है। पर्यटकों को ध्यान में रखकर यहां करीब 1 किलोमीटर की दूरी में आर्टिफिशियल बीच का निर्माण किया गया है। इसमें पर्यटकों के लिए कई तरह के वॉटर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज की सुविधा है। इसमें शेयरिंग बोट, स्पीड बोट, हाई स्पीड बोट, पैरासीलिंग, ऑक्टेन, बनाना राइड, पीडब्ल्यूसी बाइक, वॉटर सायकल, जार्बिन बॉल, कयाक, पायडल सहित कई तरह की वॉटर एक्टिविटी शामिल हैं।

ये नहीं देखा तो गंगरेल नहीं देखा

गंगरेल बांध घूमने के लिए आते हैं तो बांध के पास ही स्थित छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े पार्क ग्रीन एडवेंचर रिसॉर्ट को घूमना ना भूलें। ग्रीन एडवेंचर रिसॉर्ट का स्लोगन है कि ये नहीं देखा तो गंगरेल नहीं देखा। यहां कई तरह की सुविधाएं हैं। इसमें झूला, स्लाइडर, वॉटर फॉल, गजीबो, सेल्फी प्वाइंट, गेम जोन, लक्ष्मण झूला, ओपन एयर थिएटर, रेस्टोरेंट आदि शामिल है। फोटोग्राफी, पिकनिक और किसी तरह की पार्टी सेलिब्रेट करने के लिए यह जगह बेस्ट है। यहां रेस्टोरेंट भी है जो 100% वेज है। पार्क में एंट्री फीस प्रति व्यक्ति 20 रुपए है।

बरदिहा लेक व्यू टूरिस्ट रिसॉर्ट

प्रशासन द्वारा बांध के पास ही बरदिहा लेक व्यू टूरिस्ट कॉटेज का निर्माण किया गया है। यहां ठहरने से खाने-पीने तक की सारी व्यवस्था है। कॉटेज से बांध के गेट और दूर तक फैले पानी का शानदार नजारा दिखता है। इन सभी कॉटेज की बॉलकनी से बैठे-बैठे ही सामने डैम का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। यहां दो तरह के कॉटेज उपलब्ध हैं जिसे आप अपने बजट के हिसाब से बुक कर सकते हैं। एक वुडन कॉटेज है, जबकि दूसरे टेंट के डिजाइन में बने हैं।

कैसे पहुंचे गंगरेल डैम

राजधानी रायपुर से गंगरेल डैम की दूरी करीब 90 किमी है। धमतरी शहर से बांध करीब 11 किमी की दूरी पर स्थित है। रायपुर से धमतरी के लिए प्रतिदिन बस सेवा संचालित है। धमतरी शहर से बांध तक टैक्सी और ऑटो से जाया जा सकता है। यहां से नजदीकी एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन रायपुर है।

आधुनिक जीवनशैली की जीवंत कहानियां

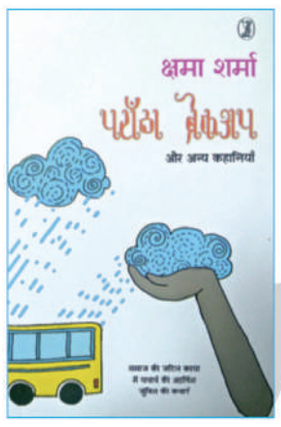

पुस्तक: परांठा ब्रेकअप और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), लेखिका: क्षमा शर्मा, मूल्य: 399 रुपए, प्रकाशक: वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रसिद्ध साहित्यकार क्षमा शर्मा की तेरह कहानियों का संग्रह 'परांठा ब्रेकअप और अन्य कहानियां' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने बीते एक-दो दशक में शहरी जीवनशैली, सामाजिक ताने-बाने के साथ रिश्ते बनाने और उसे निभाने की मानसिकता में तेजी से हुए परिवर्तन की गहरी पड़ताल की है। खासतौर पर प्रेम संबंध को लेकर युवा पीढ़ी के दृष्टिकोण में हुए बदलाव को रेखांकित करती कई कहानियां इस संकलन में हैं। इस सदी में किशोर और युवा हुई पीढ़ी के लिए किसी से रिश्ता बनाना और तोड़ना, अब भावनात्मक मुद्दा नहीं, सोशल साइट्स पर किया जाने वाला पैचअप और ब्रेकअप हो गया है। इसकी बानगी 'कौन सी कसम, ड्रीम मैन' और 'परांठा ब्रेकअप' जैसी कहानियों में देख सकते हैं। 'मत पूछ तू औरत है' कहानी में लेखिका ने पुरुषवादी संकीर्ण मानसिकता को कठघरे में खड़ा किया है। यह कहानी, स्नेह और संवेदना के संग जीने वालों को भयभीत कर देती है। शैलीगत चमत्कार दिखाने के प्रयास से दूर ये कहानियां सरल-सहज ढंग से पाठक के मन को स्पर्श करती हैं। संग्रह की अन्य कहानियां भी अपने कथानक और कथ्य के जरिए इंसान की नैसर्गिक भावनाओं में आधुनिक जीवनशैली के संक्रमण को प्रभावी ढंग से सामने लाती हैं। अब ऐसे संक्रमण को वर्तमान व्यावहारिक जरूरत मानकर जायज ठहराया जा सकता है या इसे मनुष्य के भावनात्मक क्षरण के रूप में देखा जाना चाहिए, यह सवाल विचारणीय है। *

विरोध

लिखने में व्यस्त मंडल साहब के सामने एक नोटशीट रखकर स्टार गैरेज का मालिक अवनीश सामने की कुर्सी पर बैठ गया। नोटशीट पर सरसरी निगाह डालते हुए मंडल साहब ने पूछा, 'क्या है?'

'आप खुद ही देख लीजिए।' अवनीश ने उनसे कहा।

'देख लिया। एक बात बताइए, रोड रोलर की मरम्मत के लिए दो लाख रुपए का प्रपोजल किसने बनाया? मरम्मत हो जाने पर इंस्पेक्शन किसने किया?' मंडल साहब ने पूछा। गैरेज मालिक अवनीश चुपचाप उन्हें ताकता रहा। 'आप चुप क्यों हैं? काम आपके गैरेज में ही संपन्न हुआ है न?'

इस बार अवनीश तिलमिला गया, 'आप इतना सवाल क्यों कर रहे हैं, साहब? बड़े साहब ने कहा है, सर्टिफाई करके साइन कर दीजिए।' उसकी आवाज में धौंस का पुट था। वह साहब के आगे थोड़ा झुक गया। धीमी आवाज में पूछा, 'आपका हिस्सा मिला?' 'आपको जो कहना था, कह दिया, अब आप जाइए।' मंडल साहब तल्ख शब्दों में बोले। लेकिन गैरेज मालिक के जाने के बाद वह गंभीरता से सोचने लगे, जल में रहकर मगर से वैर लेकर कैसे बचा जाए? *

नेता पंच लक्षण

उसके भीतर नेता बनकर समाज सेवा करने की हूक उठी। नेता बनने के लिए उसने एक गुरु तलाशा। इस गुरु ने उसे परखना चाहा कि उसके भीतर क्या वो गुण हैं, जो एक नेता बनने के लिए जरूरी है? गुरु जी के सवाल आज के नेताओं के व्यक्तित्व से कितना मेल खाते हैं, यह निर्णय तो आप ही लीजिए।

संसार में जिससे कुछ प्राप्त हो, उसी को अपना सब कुछ मान लेना ही सदा कल्याणकारी सिद्ध होता है। शायद इसी मूल मंत्र के बीज से ही 'गधे को बाप कहना' मुहावरे का जन्म हुआ होगा। मैंने भी इस शाश्वत सत्य को स्वीकार करते हुए इसके चमत्कारी परिणाम को प्राप्त करने का मन बनाया। मेरे मन में भी नेता बनकर समाज सेवा करने का कीड़ा कुलबुलाया।

मैं निकल पड़ा एक ऐसे गुरु की तलाश में, जो मुझे देश का सच्चा एवं सफल नेता बनने में मेरा मार्गदर्शन कर सके। मेरे अंदर वे सभी कीटाणु विकसित कर सके, जो एक नेता को सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

कहते हैं कि अगर हृदय से पुकारो तो भगवान को भी आना पड़ता है और छल-कपट, द्वेष-दंभ, झूठ-पाखंड की धुनी रमाकर तप-साधना करो तो नेता बनाने वाले गुरु का आना भी निश्चित है।

हुआ भी यही, श्वेत परिधान में लिपटी मस्तक पर स्वार्थ, चापलूसी एवं धनलोलुपता की तीन रेखाओं की अलौकिक आभा से युक्त मूर्ति प्रकट हो गई। सामने कल्पवृक्ष की भांति सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाले गुरु को पाकर मैं धन्य हो गया। फिर क्या था खड़े-खड़े गिर पड़ा, उनके धूल-मिट्टी से सने हुए दुर्गंधयुक्त चरणों पर।

गुरु महाराज ने अपने भ्रष्टाचारी एवं पापाचारी कर-कंडो से मुझे घसीटते हुए उठाकर कहा, 'क्या चाहिए बच्चा, बोल..।'

अंधा क्या चाहे दो नैना, मैंने मेट्रो ट्रेन की रफ्तार से तुरंत कहा, 'महाराज! मैं देश का सफल नेता बनना चाहता हूं।'

गुरु महाराज एक क्षण मुझे घूर कर बोले, 'हां! अवश्य, लेकिन नेता बनने के लिए कुछ विशेष गुणों का होना जरूरी है।' इसके लिए उन्होंने मुझे परखना चाहा और सवाल करना शुरू किया, 'अच्छा तो तुम यह बताओ कि अगर तुम्हें कभी किसी कुत्ते से काम पड़ जाए तो तुम उसे क्या कहोगे?'

'महाराज, चाचा कहूंगा।'

'क्यों, बाप क्यों नहीं कहोगे?'

'महाराज, वह तो मेरे पूर्वज पहले ही गधे को कह चुके हैं।'

'हूं! खानदानी लगते हो।'

'जी, महाराज।'

'अच्छा ये बताओ कभी नाटक किया है तुमने।'

'महाराज जी! मैंने कालनेमि, दुःशासन, मारीचि और शकुनि आदि पात्रों का सफल अभिनय किया है। गिरगिट नौटंकी कंपनी का डायरेक्टर भी हूं।'

'सुंदरम्! अति सुंदरम्!!'

'अच्छा ये बताओ कभी मौका पड़े तो झूठ बोल सकते हो?'

'महाराज! न ह ह ह ह हीं!'

'ऐं! ये क्या, फिर नेता कैसे?

'महाराज, खा गए ना गच्चा आप। मेरे 'नहीं' को हां समझें, क्योंकि मैं सत्य बोलता ही कब हूं।'

'अगर तुम कभी कोई बात कह दो या किसी को कोई वचन दे दो, जिससे तुम्हारा नुकसान हो रहा हो तो क्या करोगे?'

'महाराज जी! पहले तो मैं कभी भी कोई घाटे का सौदा करता ही नहीं हूं। ऐसी कोई बचकाना हरकत करूंगा ही नहीं, और यदि कह भी दिया तो पलटने में कितनी देर लगती है।'

'प्रिय वत्स! जनता यदि तुम्हारे अभिवादन में हाथ जोड़े, सिर झुकाए या पैर छुए तो तुम प्रत्युत्तर में क्या करोगे?'

'महाराज जी! बड़ा विकट प्रश्न दाग दिया है आपने। फिर भी अब तक जो समझा, जाना और सीखा है उसके अनुसार बता रहा हूं। यदि चुनाव दो वर्ष बाद होने होंगे तो हाथ जोड़ने वाले से मुस्कराकर अपने हाथ जोड़कर उसका जबाव देंगे। सिर झुकाने वाले का जवाब सिर झुका कर हंसकर देंगे और पैर छूने वाले का उत्तर यदि बुजुर्ग है तो पैर छूकर ही देंगे। और यदि चुनाव चार वर्ष बाद होने होंगे तो हाथ जोड़ने **वाले** की ओर देखूंगा ही नहीं, सिर झुकाने वाले की ओर ऐसे देखूंगा मानो उस पर कोई एहसान कर रहा हूं। हां, पैर छूने वाले से जरूर कहूंगा कि ठीक है... ठीक रहने दो..।'

'बस कि और कुछ कहना चाहोगे इस संदर्भ में?'

'जी, महाराज कहना चाहूंगा।'

'क्या, कहो जो कहना चाहते हो?'

'यही महाराज कि यदि चुनाव एक वर्ष बाद होने होंगे तो चुनौती है कि पहले मुझसे कोई नमस्कार कर सके, अभिवादन में सिर झुका सके या मेरे पैर छू सके। बिना छोटे-बड़े का, जात-पांत का भेद-भाव किए मैं ही पैरों में गिर पड़ूंगा, हाथ जोड़ूंगा हंसकर, मुस्कुराकर उनके हालचाल पूछूंगा और उनकी सभी समस्याओं को दूर करने का आश्वासन भी दूंगा।'

'तथा स स स स स्तु! तुम्हें एक सफल नेता बनने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि तुम्हारे अंदर वे समस्त कीटाणु विद्यमान हैं, जो एक सफल नेता में होने चाहिए।' नेता ने आशीर्वाद प्रदान किया।

'जय ही गुरुदेव! क्षमा करें, पैर तो अभी नहीं छू सकता, क्योंकि चुनाव पांच साल बाद होने हैं।' *

बॉलीवुड

क्या माधुरी बन सकेगी पलोमा

राजश्री प्रोडक्शन्स की अगली फिल्म से, नए निर्देशक के साथ पलोमा बॉलीवुड में प्रवेश कर रही है। यह नया निर्देशक सूरज बड़जात्या का बेटा अविनीश बड़जात्या है तथा पलोमा, गुजरे जमाने की फिल्मों की नायिका पूनम ढिल्लों और फिल्म निर्माता अशोक ठकरिया की बेटी है। पलोमा को मिली बधाइयों में खास थी, माधुरी दीक्षित की बधाई यह बधाई इस लिए खास थी कि माधुरी दीक्षित के फिल्म करियर का प्रारंभ भी राजश्री प्रोडक्शन्स की फिल्म अबोध से हुआ था। हालांकि, फिल्म फ्लॉप हुई थी। दूसरी विशेषता यह है कि माधुरी ने पलोमा के पिता कई हिट फिल्मों में धकधकाती जगह बनाई थी। माधुरी ने लिखा कि मेरी फिल्म यात्रा भी राजश्री प्रोडक्शन्स के साथी तुम इतनी भाग्यशाली हो कि तुम्हारी शुरुआत भी इन्ही के साथ हो रही है।

एनटीआर जूनियर के साथ प्रशांत

20 मई को तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का जन्मदिन था। वह 40 के हो गए पिछले महीने ही, उनकी पहली अखिल भारतीय फिल्म आरआरआर का प्रदर्शन हुआ था। इसके हिंदी संस्करण को बड़ी सफलता मिली हिंदी दर्शकों ने, रामचरण के साथ जूनियर को भी काफी पसंद किया इसलिए, जूनियर एनटीआर को, उनके जन्मदिवस पर हिंदी दर्शकों से भी बहुत बहुत शुभकामनाएं मिली। उनके जन्मदिन को विशेष बनाने के लिए मित्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स ने फिल्म एनटीआर 31 का पहला पोस्टर जारी किया। इस पूरे श्वेत श्याम पोस्टर में एनटीआर जूनियर का चेहरा छाया हुआ। जूनियर एनटीआर की इस 31वी फिल्म का निर्देशन हिंदी बेल्ट में ही हिट केजीएफ फ्रैंचाइजी के निर्देशक प्रशांत नील है। चूंकि, फिल्म में केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील के साथ आरआरआर जूनियर एनटीआर है, इसलिए यह देश का ध्यान खीच लेने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म की कहानी का विचार प्रशांत नील के दिमाग में 20 साल पहले आया था।

यशराज की फिल्में

आदित्य चोपड़ा के पिता यश चोपड़ा द्वारा स्थापित बैनर यशराज फिल्म्स 50 साल का हो गया है। इसके अंतर्गत जयेशभाई जोरदार प्रदर्शित हो चुकी है। जून में अक्षय कुमार के साथ ऐतिहासिक फिल्म पृथ्वीराज प्रदर्शित होने जा रही है। इसके अतिरिक्त रणबीर कपूर, वाणी कपूर और संजय दत्त की फिल्म शमशेरा, शाहरुख खान, जॉन अब्राहम और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान और सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाश्मी की फिल्म टाइगर 3 प्रदर्शित होगी। विशेष है कि ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ की जोड़ी की सुपरडुपर हिट फिल्म वॉर की सीक्वल फिल्म वॉर 2 की स्क्रिप्ट लिखी जा चुकी है। इसकी शूटिंग तभी प्रारंभ होगी, जब पठान और टाइगर 3 की शूटिंग पूरी हो जाएगी। वॉर 2, टाइगर और पठान की क्रॉस ओवर फिल्म हो सकती है।

जेम्स बांड के 60 साल पूरे हुए

पिछली जेम्स बांड फिल्म नो टाइम टू डाई 2021 में प्रदर्शित हो चुकी है। यह बॉन्ड सीरीज की 27वी फिल्म थी। इसकी पहली फिल्म डॉक्टर नो 60 साल पहले 5 अक्टूबर 1962 को प्रदर्शित हुई थी। पहले जेम्स बॉन्ड सीन कॉनरी थे। बांड इस साल 5 अक्टूबर को 60 साल का हो जाएगा। बांड का जन्मदिन धूमधाम से मनाने की तैयारियां है। सभी फिल्में यूनाइटेड किंगडम में समय समय पर प्रदर्शित होंगी। यह फिल्म हर सप्ताह 5 अक्टूबर तक प्रदर्शित होंगी। इस दिन जेम्स बांड सीरीज की अंतिम फिल्म का प्रदर्शन जेम्स बांड डे 5 अक्टूबर को किया जाएगा।

क्रिसमस वीकेंड पर टकराव

क्रिसमस 2022 में, भारत के सिनेमाघरों में उत्तेजनात्मक वातावरण होगा। क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर हॉलीवुड और बॉलीवुड की चार फिल्मों का टकराव होगा। यह टकराव इस विचार से उत्तेजनात्मक तो होगा ही कि टाइगर श्रॉफ की गनपत पार्ट 1, विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ की फिल्म मेरी क्रिसमस तथा रणवीर सिंह, पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिज की कॉमेडी फिल्म सर्कस प्रदर्शित हो रही है। पर बॉलीवुड के बड़े और युवा अभिनेताओं का टकराव उस समय बहुत दिलचस्प हो जाता है, जब इसी वीकेंड में हॉलीवुड की फिल्म अवतार 2 प्रदर्शित होगी। माना जा रहा है कि अवतार2 के आ जाने से यह टकराव एकतरफा हो जाएगा। स्पष्ट रूप से यह बॉलीवुड के सितारों की बड़ी कड़ी परीक्षा है।

सबसे अधिक देखे गए ट्रेलर

किसी फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर और ट्रेलर, टीजर जारी करना, उत्सुकता का पैमाना बन सकता है। जितनी अधिक पसंदगी या व्यूज, फिल्म में दर्शकों की रुचि की ओर इशारा करते हैं। इस लिहाज से यूट्यूब पर किसी फिल्म के ट्रेलर या टीजर की पसंदगी के आंकड़े दिलचस्प तथ्य प्रस्तुत करते हैं। यूट्यूब पर, 24 घंटो में पसंदगी के आंकड़ों के अनुसार पहले 10 ट्रेलर में खानों की फिल्मों के ट्रेलर अधिक है। टॉप 10 के पहले पांच ट्रेलर में दो फिल्में सलमान की और एक एक फिल्म शाहरुख खान, टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार की है। टॉप 10 में सलमान खान की फिल्म दबंग 3, राधे योर मोस्ट वांटेड भाई और भारत, शाहरुख की फ्लॉप फिल्म जीरो, टाइगर श्रॉफ की फिल्म बागी 3, रणवीर सिंह की 83 तथा उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण की फिल्म छपाक है। आश्चर्यजनक रूप से अक्षय कुमार की तीन फिल्में सूर्यवंशी, पृथ्वीराज और गुड न्यूज शामिल है। इनमें दबंग 3 को 12.60 लाख, राधे को 12 लाख, जीरो को भी 12 लाख, बागी 3 और सूर्यवंशी को 11.10-11.10 लाख, 83 को 89.50 हजार, छपाक 86.80 हजार और पृथ्वीराज को 78.40 हजार दर्शकों द्वारा पहले 24 घंटों में देखा गया।

बड़ा टकराव
परीक्षा की घड़ी

अल्पना कांडपाल

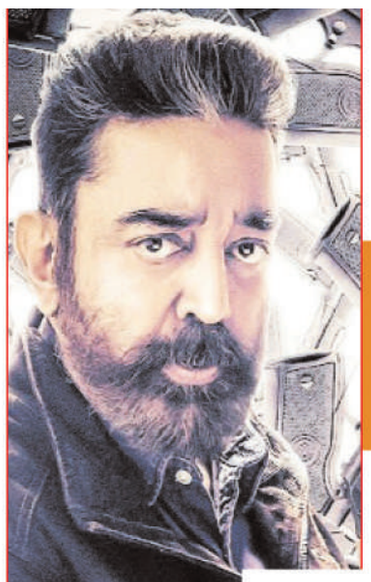

छविग्रहों में प्रदर्शित होने जा रही कुछ फिल्में बजट की दृष्टि से बहुत महंगी है। इनमें से कुछ फिल्मों का बजट २०० करोड़ से अधिक ही हैं। इनमें से कुछ फिल्में प्रदर्शित हो चुकी है। यह फ्लॉप भी हुई और बड़ी हिट भी ऐसी ही दो फिल्में इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शित होने जा रही है। इनके कारण बॉक्स ऑफिस पर ३ जून को बड़ा टकराव होना सुनिश्चित है। यह टकराव अक्षय कुमार के स्टारडम की कड़ी परीक्षा लेगा। बाकी को हिंदी बेल्ट में अपनी पहचान बना पाने का अवसर मिलेगा।

बड़ा बजट बड़ी फिल्में : इस साल प्रदर्शित बड़े बजट की फिल्म राधे श्याम अभिनेता प्रभास और पूजा हेगड़े की पहली अखिल भारतीय अपील वाली फिल्म थी। इसका बजट 350 करोड़ के लगभग था पर परदे पर प्रभास और पूजा हेगड़े का रोमांस तथा आकर्षक विदेशी लोकेशन आकर्षित नहीं कर सकी फिल्म बड़ी फ्लॉप साबित हुई। इसके विपरीत, एसएस राजामौली निर्देशित तथा रामचरण, जूनियर एनटीआर, आलिया भट्ट और अजय देवगन की पीरियड फिल्म आरआरआर बड़ी हिट साबित हुई। इसके हिंदी संस्करण ने ही 400 करोड़ से ऊपर का कारोबार किया। जबकि इस फिल्म का बजट 400 करोड़ से कम था। परन्तु, बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ के आस पास के बजट में बनी प्रशांत नील निर्देशित और यश अभिनीत फिल्म केजीएफ चैप्टर 1 ने आरआरआर को भी बॉक्स ऑफिस पर परास्त कर दिया। स्पष्ट है कि दक्षिण की फिल्में डब हो कर हिंदी बेल्ट में भी धमाल मचा रही है। यह फिल्में अपनी इंडस्ट्री का कीर्तिमान तोड़ ही रही है, बॉलीवुड की फिल्मों को भी बड़ी चुनौती साबित हो रही है।

सबसे बड़ी पृथ्वीराज : उपरोक्त तीन फिल्मों की स्टारकास्ट, बजट और सितारा चमक को देखते हुए, कौन सी फिल्म बड़ी और विशेष लगती है। निःसंदेह, अक्षय कुमार अभिनीत पृथ्वीराज सबसे बड़ी फिल्म है। परन्तु, इसके बावजूद सबसे ज्यादा खतरे में यही फिल्म लगती है। मेजर के अदिवी शेष और विक्रम के कमल हासन हिंदी दर्शकों में सीमित प्रभाव ही रखते हैं। अदिवी को तो जानने वाले दर्शक भी बहुत कम होंगे। कमल हासन ने कुछ हिट हिंदी फिल्मों में नायक की भूमिका की है। परन्तु, वह तमिल दर्शकों के बीच ही अधिक पकड़ रखते है। समाचार है कि दक्षिण में विक्रम का विक्रम चल नहीं पा रहा। इसके बावजूद कि अक्षय कुमार की बॉलीवुड में पकड़ सबसे ज्यादा है, उन्हें उतना ही अधिक खतरा भी है। उनकी पिछली कुछ फिल्में, सूर्यवंशी के अतिरिक्त या तो ओटीटी पर प्रदर्शित हुई है या बॉक्स ऑफिस पर असफल हुई है। पिछली फिल्म बच्चन पाण्डेय की तो बॉक्स ऑफिस पर दुर्दशा हो गई थी। बच्चन पाण्डेय की असफलता के बाद, अगर पृथ्वीराज भी असफल हो जाती है, तो अक्षय के सितारे अस्त होते समझिए इसलिए अक्षय कुमार को पृथ्वीराज की सफलता की बहुत जरूरत है।

किसमें कितना है दम

जून का पहला शुक्रवार प्रमाण होगा कि किसमें कितना है दम। ये फिल्में करोड़ो के बजट की है। इनके विषय प्रेरित करने वाले हैं। बजट की दृष्टि से भी यह महंगी फिल्में हैं। सबसे बड़ी बात, इन फिल्मों से बॉलीवुड के सुपरस्टार की परीक्षा भी होगी। इसे समझने के लिए कि बॉक्स ऑफिस का यह टकराव कितना कांटेदार है, इन तीन फिल्मों के बारे में जानना आवश्यक है।

क्या हैं फिल्में

3 जून को, तीन फिल्में पूरे देश में प्रदर्शित हो रही है। सैन्य पृष्ठभूमि की मेजर, एक्शन थ्रिलर फिल्म विक्रम और ऐतिहासिक फिल्म पृथ्वीराज इनके बारे में जानकारी -

मेजर : कभी हिंदी फिल्मों में काम न करने की कसम खाने वाले तेलुगु फिल्म अभिनेता महेश बाबु की निर्माता के रूप में पहली हिंदी फिल्म है। यह 2008 में पाकिस्तानी आतंकवादियों के मुंबई में आक्रमण के समय अपनी जान की बाजी लगाने वाले मेजर संदीप उन्नीकृष्णन पर एक्शन फिल्म है। इसका निर्देशन शशि किरण टिक्का ने किया है। मेजर की भूमिका तेलुगु फिल्म अभिनेता अदिवी शेष ने की है। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म होगी। फिल्म में महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर और शोभिता धुलिपला के महत्वपूर्ण भूमिका की है। प्रकाश राज और रेवती की भूमिका मेजर के माता पिता की है। इस फिल्म को 50 करोड़ से कुछ अधिक के बजट में बनाया गया है। बजट के हिसाब से 50 करोड़ कुछ खास नहीं लगता परन्तु, किसी फिल्म का बजट उसके अभिनेता के बाजार में पकड़ का पैमाना है। अभी अदिवी शेष का ऐसा बाजार नहीं कि उन्हे लेकर बहुत महंगी फिल्म बनाई जाए। हिंदी, मलयालम और तेलुगु में प्रदर्शित होने वाली फिल्म मेजर बजट के हिसाब से 3 जून को प्रदर्शित होने जा रही फिल्मों में सबसे कम कीमत वाली फिल्म है।

विक्रम : यह तमिल भाषा में बनाई गई एक्शन थ्रिलर फिल्म है। कमल हासन, विजय सेतुपति और फहद फासिल की इस फिल्म का बजट 110 करोड़ बताया जा रहा है। हिंदी फिल्में सामान्य रूप से इतने बजट में बनती रहती है। तमिल फिल्मों का बाजार तेलुगु फिल्मों की तुलना में भी काफी कम है। परन्तु, यह फिल्म तमिल फिल्मों के सुपरस्टार कमल हासन की है। कभी कमल ने एक दूजे के लिए फिल्म से हिंदी दर्शकों के दिलों में जगह बनाई थी। हिंदी फिल्म दर्शको ने कमल हासन को चार साल पहले प्रदर्शित स्पाई एक्शन फिल्म विश्वरूपम 2 में देखा था। क्या दर्शक अब कमल हासन के विक्रम को पसंद करेंगे?

पृथ्वीराज : डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी निर्देशित अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर है। इसमें अक्षय कुमार शीर्षक भूमिका कर रहे है। पूर्व विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर की संयोगिता की भूमिका वाली फिल का बजट 300 करोड़ के आस पास है। संजय दत्त, सोनू सूद और मानव विज की भूमिकाएं क्रमशः काका कान्हा, चंदबरदाई और मुहम्मद गजनवी की है। पृथ्वीराज, यशराज फिल्म्स की महंगी फिल्मों में से है।

टीवी

बृज बोली सीखने के लिए वर्कशॉप्स

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'यशोमती मैया के नंदलाला' में काम कर रहे नेहा सरगम, राम यशवर्धन, राहुल शर्मा, हितांशु जिंसी, रोमित राज । नेहा सरगम कहती है, पौराणिक शो में हम अपना 100 फीसदी देने के लिए प्रतिबद्ध है। 'बृज' बहुत ही मधुर भाषा है, और इसमें संस्कृत शब्द सबसे ज्यादा हैं, जिनका प्रयोग हम अपनी रोज की जिंदगी में नहीं करते हैं। इसलिए, उच्चारण और संवाद को सही करने के लिए वर्कशॉप्स में भाग लेया।

सरप्राइजस दिल छू लेंगे

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के किड्स सिंगिग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर 2 का पुरानी यादों का खूबसूरत सफर दिखा। गायक उदित नारायण और अनुराधा पौडवाल मेहमान बनकर आए। उदित नारायण ने मंच पर आकर मोहम्मद फैज की खूब तारीफ की। उदित बताते हैं, वो मेरी जिंदगी के सबसे खुशनुमा पलों में से था, जब रफी साहब ने मुझे कयामत से कयामत में मेरा म्यूजिक ब्रेक दिया था। उस वक्त मुझे बेहद खुशी हुई थी। ठीक वैसा ही एहसास मुझे तब हुआ, जब मेरी पोती त्विशा का जन्म हुआ था। त्विशा हमेशा मेरे साथ रहे।

महिला पुलिस थाने के नए एसएचओ

सोनी सब के 'मैडम सर' में नए एसएचओ शामिल होने जा रहे है। महिला ऑफिसर्स, एसएचओ हसीना मलिक (गुल्की जोशी), इंस्पेक्टर करिश्मा सिंह (युक्ति कपूर), संतोष (भाविका शर्मा) और कॉन्स्टेबल पुष्पा सिंह (सोनाली नाईक), है। पुरुष एसएचओ अमर विद्रोही (सवि ठाकुर) और नए धमाकों की उम्मीद कर सकते है। सावी ठाकुर कहते है, मैं काफी उत्साहित हूं और अमर के किरदार और मुझमें काफी समानताएं है। महिलाओं के लिए बेहद सम्मान के साथ-साथ, हमें यह बात अच्छी तरह पता है कि यह शो यंग लड़कियों को बड़े सपने देखने और अपने सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

500 एपिसोड्स पूरे किए

सोनी सब के शो 'मैडम सर' ने 500 एपिसोड पूरे कर लिए। हसीना मलिक की भूमिका निभा रही गुल्की जोशी ने कहा, मुझे बहुत गर्व और खुशी है, क्योंकि यह हास्य के भाव को फैलाता है। मैंने न केवल नए लुक्स और

शख्सियतों को अपनाया बल्कि परफॉर्मेंस के मामले में भी मेरा दायरा बढ़ा। करिश्मा सिंह की भूमिका निभा रही युक्ति कपूर ने कहा, कई बारीकियां जानने का मौका दिया और नेरेटिव भी आधुनिक समय के हैं।

सुपर मॉम्स में लखनऊ की रिद्धि

जी टीवी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स लॉन्च किया। डीआईडी सुपर मॉम्स का तीसरा संस्करण लेकर आ रहा है। लखनऊ की कंटेस्टेंट रिद्धि तिवारी को हुनर दिखाने का मौका मिला। दो बच्चों की मां रिद्धि को डांस का शौक है, हालांकि आर्थिक समस्याओं के कारण प्रोफेशनल डांसर बनने का सपना पूरा नहीं कर सकी। रिद्धि बताती हैं, डांसिंग हमेशा से मेरा पैशन रहा है और मैं इसे लेकर बहुत कॉन्फिडेंट रही हूं। जब मैं डांस करती हूं तो इस बात की फिक्र नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे, क्योंकि मैं अपने दिल से परफॉर्म करती हूं।

श्रद्धा त्रिपाठी ने की शुरुआत

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन शो 'अपनपन... बदलते रिश्तों का बंधन' के साथ है, जो सिंगल पैरेंट्स भी हैं। 'अपनापन' की टीम में नवोदित अभिनेत्री श्रद्धा

त्रिपाठी टेलीविजन पर शुरुआत करने जा रही हैं। श्रद्धा त्रिपाठी ने कहा, मेरी खुशी सातवें आसमान पर थी। मैं राजश्री ठाकुर और सिजैन खान के साथ काम करने को लेकर भाग्यशाली महसूस करती हूं, जिन्हें देखकर मैं बड़ी हुई हूं।

काल्पनिक रोल निभा रही हूं : कीर्ति

जी टीवी के फिक्शन शो 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' वृंदावन पर आधारित है, जिसमें मोहन (शबीर अहलुवालिया) की प्रेम कहानी है। राधा (निहारिका रॉय) धार्मिक और आशावादी लड़की है। कीर्ति कहती हैं, यह पहली बार है जब मैं काल्पनिक रोल निभा रही हूं। हर रोल का अपना सफर होता है और उनके मकसद भी अलग-अलग होते हैं।

'जिंदगी गुलजार है' डीटीएच प्लेटफार्म पर

जिंदगी अब डीटीएच प्लेटफॉर्म पर वैल्यू एडेड सर्विस के रूप में लॉन्च होने वाला है और 'जिंदगी गुलजार है' जैसे शो से शुरूआत कर रहा है। किरण खेर के साथ 'कितनी गिरहे बाकी हैं', ऑन जारा, सदके तुम्हारे, बहुचर्चित 'मिसेज एंड मिस्टर शमीम' और कई सारे शोज, शामिल हैं। फिक्शन शो प्रसारित करने के अलावा, फिल्मों जैसे 'बारिश और चाउमीन' को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है, तिग्मांशु धूलिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तापसी पन्नू और अमित साध हैं, सादत हसन मंटो की लघु कहानी पर आधारित 'टोबा टेक सिंह', जिसमें प्रसिद्ध अभिनेता पंकज कपूर हैं और केतन मेहता निर्देशित है। सिलवट तनुजा चंद्रा द्वारा निर्देशित है, इसमें कार्तिक आर्यन एक प्रमुख भूमिका में हैं। 'सारी रात' राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अपर्णा सेन की फिल्म है जिसमें कोंकणा सेन शर्मा ने अभिनय किया है।

सम्मान और गरिमा की कहानी

जीवन की कठिनाइयों में फंसे होने के मापदंड पर अनोखी 'मां' है। सोनी सब के कहानी, 'पुष्पा इम्पॉसिबल' करुणा पाण्डेय की प्रमुख भूमिका है। 'पुष्पा इम्पॉसिबल' 6 जून को 9.30 बजे होने वाला है। गुजरात के पाटन की अशिक्षित लेकिन खुद अपनी पहचान बनाने वाली महिला की कहानी है, जो अलग-अलग विचित्र कामों में फंसने के बाद अब मुंबई के अपने चॉल रूम से अपना पेट पालने और तीन बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए टिफिन सर्विस चलाती है। पुष्पा का मानना है कि उसके बच्चे शर्मिंदा है और समाज उसे वह सम्मान नहीं देता है। इसमें नवीन पंड़िता, दर्शन गुर्जर, देशना दुगाड़, गरिमा परिहार और भक्ति राठौड़ है।

उल्का गुप्ता वापसी

स्टार प्लस 'बन्नी चाउ होम डिलीवरी' शो लेकर आ रहा है। जहां बन्नी की जनी है, जो फूड डिलीवरी का बिजनेस करती है, वो घर का बना खाना खिलाती है। छह साल के बाद उल्का पर्दे पर वापसी कर रही है। उल्का गुप्ता ने कहा, मैं आगे बढ़ती गई। बॉलीवुड और डाउन साउथ में कुछ फिल्में करने के बाद बिल्कुल सटीक अवसरों में से था, फिर मैंने छोटे पर्दे पर वापसी करने का फैसला किया। बन्नी चुनौतीपूर्ण भूमिका है।

सिद्धांत चतुर्वेदी को बनाया ब्रांड एंबेसडर

यूथ एंटरटेनमेंट चैनल, जिंग ने नया अवतार लॉन्च किया। चैनल ने सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर कैंपेन, अपनी वाइब, अपनी ट्राइब' के माध्यम लॉन्च किया। सिद्धांत ने कहा, यह मेरी ट्राइब ही थी जिसने मुझे उस दौर में गेम में बने रहने में मदद की, यही वजह है कि जिंग के कैंपेन से मैं तुरंत कनेक्ट हो गया। यह बहुत अच्छी बात है कि युवाओं के पास सुरक्षित स्पेस है, जो उनके साथ सेलिब्रेट करता है और वाइब्स होता है।

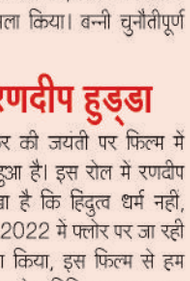

अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे ने रिक्रिएट किया गाना

जी टीवी ने रियलिटी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स सीजन 5 में खास मेहमान बनकर पहुंचे बॉलीवुड खिलाड़ी अक्षय कुमार और खूबसूरत मॉडल से एक्ट्रेस बनी मानुषी छिल्लर की मौजूदगी में कुछ शानदार एक्ट्स प्रस्तुत करें। अक्षय कुमार बताते हैं, यहा सभी सुपर जज मेरे सबसे करीबी दोस्त है और मैंने पहले सोनाली और रेमो के साथ 'हसीना गोरी गोरी' गाने में काम किया है। मैं कह सकता हू कि हमने इस गाने की शूटिंग मे बहुत मजे किए।

आयुष्मान जोड़ने वाले शख्स की भूमिका में

युवा बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना अपनी अगली रिलीज अनेक को 'खरी देशभक्ति वाली फिल्म' बताते हैं। आयुष्मान कहते हैं, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि खेल और सिनेमा के अंदर भारत को एकजुट करने की ताकत मौजूद है। मैंने करीब से देखा है कि खेल लोगों को जश्न मनाते वक्त कैसे एकजुट करते हैं, जब आप कोई खेल देखने जाते हैं, तो चीयर करने की भावना से एकजुट होते हैं और ऊपरवाले से मनाते हैं कि भारत को उच्चतम स्तर पर जीत हासिल हो। जब आप फिल्में देखने जाते हैं, तो आप इस बात की परवाह नहीं करते कि आपके बगल में कौन बैठा है। 'अनेक' की मंशा भी मात्र इतनी ही है।

सावरकर बने रणदीप हुड्डा

विनायक दामोदर सावरकर की जयंती पर फिल्म में उनका पहला लुक जारी हुआ है। इस रोल में रणदीप हुड्डा हैं। पोस्टर में लिखा है कि हिंदुत्व धर्म नहीं, इतिहास है। फिल्म अगस्त 2022 में फ्लोर पर जा रही है। रणदीप हुड्डा ने साझा किया, इस फिल्म से हम आजादी की लड़ाई के सबसे प्रतिष्ठित पर गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी को सलामी दे रहें हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं उस ऊंचे कद के सच्चे क्रांतिकारी की इतिहास में लंबे समय तक दबा दी गई इनक्रेडिबल कहानी को पर्दे पर दिखा पाने के लायक हो सकूंगा।

जिस तरह शेयर बाजार में शेयरों की ट्रेडिंग की जाती है ठीक उसी तरह कमोडिटी बाजार में कमोडिटी यानी विभिन्न जिंसों की ट्रेडिंग भी की जाती है। अगर कोई व्यक्ति शेयर बाजार में ट्रेडिंग करता है तो उसे अपने पोर्टफोलियो में कमोडिटी को भी शामिल करना चाहिए। शेयरों की ट्रेडिंग और कमोडिटी की ट्रेडिंग देखने में तो एक जैसी ही लगती है लेकिन इसमें कुछ मूलभूत अंतर होते हैं जिसको समझे बिना दोनों में से किसी की भी ट्रेडिंग नहीं करनी चाहिए

कमोडिटी की ट्रेडिंग में काटें मुनाफा

क्या है डिलीवरी अनुबंध

फ्यूचर ट्रेडिंग में तो आप बिना सौदा उठाए भी सौदे का निपटान कर सकते हैं लेकिन डिलीवरी आधारित अनुबंध में आप जिस भी जिंस में सौदा करेंगे उसका उठान भी करना होगा। इसके लिए आपको गोदाम इत्यादि की भी जरूरत होगी। अतः आमतौपर फ्यूचर ट्रेडिंग पर ही लोगों का फोकस ज्यादा रहता है।

हर व्यक्ति अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जिस तरह खुले बाजार से विभिन्न जिंसों की खरीदफरोख्त करता है ठीक उसी तरह इनकी खरीदफरोख्त कमोडिटी एक्सचेंज से भी की जा सकती है। फर्क सिर्फ इतना है कि खुले बाजार से इन वस्तुओं की खरीदफरोख्त अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए की जाती है जबकि कमोडिटी मार्केट से इनकी खरीदफरोख्त निवेश और बेहतर मुनाफा कमाने के नजरिए से की जाती है।

कहां होती है कमोडिटी ट्रेडिंग

जिस तरह शेयरों की ट्रेडिंग के लिए बंबई शेयर बाजार और नेशनल स्टाक एक्सचेंज जैसे प्लेटफार्म हैं ठीक उसी तरह कमोडिटी की ट्रेडिंग के लिए भी सरकार ने कुछ प्लेटफार्म बना रखे हैं। जिनमें नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स), इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज (आईसीईएक्स), नेशनल मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एनएमसीई), यूनिवर्सल कमोडिटी एक्सचेंज (यूसीएक्स) और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) आदि प्लेटफार्म शामिल हैं।

किन चीजों में होता है निवेश

कमोडिटी एक्सचेंज में कई प्रकार के जिंसों का कारोबार किया जाता है लेकिन हम इन्हें चार वर्गों में विभाजित कर सकते हैं। कीमती धातु, बेस मेटल, एनर्जी और कृषि जिंस। कीमती धातु की श्रेणी में सोना, चांदी और प्लेटिनम का कारोबार किया जाता है जबकि बेस मेटल में कॉपर, ज़िंक, निकल, लेड, टिन और एल्यूमीनियम जैसे मेटल की ट्रेडिंग कर सकते हैं। इसी तरह एनर्जी सेक्टर में क्रूड आयल, एटीएफ, प्राकृतिक गैस और गैसोलिन की ट्रेडिंग की जा सकती है जबकि कृषि जिंसों की श्रेणी में काली मिर्च, लाल मिर्च, इलायची, जीरा, हल्दी, धनिया, मेंथा आयल, गेहूं, चना आदि की ट्रेडिंग की सुविधा है।

क्या होती है फ्यूचर ट्रेडिंग

कमोडिटी एक्सचेंज में फ्यूचर ट्रेडिंग के तहत दो पक्षों के बीच किसी भी जिंस के लिए मौजूदा तिथि मूल्य पर एक सौदा भविष्य की तिथि व मूल्य के लिए किया जाता है और भविष्य की तिथि पर उक्त सौदे का निपटान करना जरूरी होता है। सौदे की अवधि आमतौर पर एक से तीन माह की ही होती है। इसे हम इस उदाहरण से समझ सकते हैं। मान लीजिए आपने 15 मई को एक माह के लिए 65 हजार रुपए में एक किलोग्राम चांदी खरीदने के लिए दूसरे पक्ष से करार किया और करार के लिए मार्जिन के रूप में कुछ रकम का भुगतान कर दिया। एक माह बाद भले ही चांदी की कीमत कितनी भी क्यों न हो आपको एक किलो चांदी 62 हजार रुपए में ही मिलेगी। इसमें अगर चांदी की कीमत 70 हजार रुपए किलो भी क्यों न हो जाए आपको 62 हजार रुपए में ही यह एक किलो चांदी मिलेगी। आप चाहें तो इसकी डिलीवरी भी ले सकते हैं और चाहें तो सौदे का निपटान करके अपना मुनाफा भी ले सकते हैं। इसी तरह की ट्रेडिंग सभी जिंसों में की जाती है।

कमोडिटी ट्रेडिंग से फायदा

कमोडिटी मार्केट में छोटी धनराशि से भी निवेश किया जा सकता है। मार्जिन मनी के जरिए बड़े से बड़ा सौदा भी आप कर सकते हैं। मार्जिन मनी काफी कम होती है। इसके अलावा किसान, निर्माता या खुले बाजार में कारोबार करने वाले बड़े कारोबारी कमोडिटी मार्केट में कुछ निवेश करके अपने खुले बाजार की ट्रेडिंग की हेजिंग भी कर सकते हैं। जिससे उनका खुले बाजार में कीमतों में उतारचढ़ाव का जोखिम कुछ कम हो सकता है।

कमोडिटी ट्रेडिंग में विशेषज्ञों की लें मदद

कमोडिटी ट्रेडिंग करने वाले हर निवेशक को विशेषज्ञों और विश्लेषकों की मदद अवश्य लेनी चाहिए। मान लीजिए मौजूदा समय में गेहूं की कीमत कुछ कम है इसलिए आपने एक माह के लिए कुछ रकम निवेश कर दी। आपको यह पता नहीं था कि गेहूं की आने वाली फसल काफी बंपर हुई है जिससे इसके भाव और नीचे आ जाएंगे तो ऐसे में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए किसी भी जिंस की ट्रेडिंग से पहले उसके बारे में विशेषज्ञों और विश्लेषकों की राय अवश्य लेना चाहिए।

स्टाक ट्रेडिंग और कमोडिटी ट्रेडिंग में अंतर

ट्रेडिंग एक्सचेंजों के जरिए शेयरों के कारोबार और कमोडिटी के कारोबार में मूल रूप से जो अंतर है वह यह है कि शेयर को आप एक बार खरीद लेते हैं तो इसे जब तक चाहे अपने पास रखें और जब चाहे बेच दें। इसमें किए गए निवेश के लिए कोई समय सीमा नहीं होती। आप चाहें तो कई वर्षों तक शेयरों को अपने पास रख सकते हैं। जबकि कमोडिटी की ट्रेडिंग में आप किसी भी कमोडिटी में सिर्फ कुछ माह के लिए ही निवेश कर सकते हैं। कमोडिटी ट्रेडिंग में ज्यादातर कारोबार फ्यूचर ट्रेडिंग के रूप में किया जाता है। ■

APP के जरिए मिलने वाला झटपट लोन बढ़ा सकता है मुश्किलें

अगर आप आर्थिक तंगी की समस्या से जूझ रहे हैं और इस समस्या के निदान के लिए कर्ज लेने के बारे में विचार कर रहे हैं तो इस बाबत कोई भी निर्णय लेने में कृपया पूरी सावधानी जरूर बरतें और अपना निर्णय बहुत सोच समझकर लें। कहीं ऐसा न हो कि जो लोन आप समस्याओं को खत्म करने के लिए ले रहे हैं वह आपके लिए कोई नई समस्या न खड़ी कर दे

आर्थिक उदारीकरण के बाद बैंक से लोन लेना काफी आसान हो गया है। बैंक लोन के लिए जरिए आप अपनी पसंद की कोई भी चीज आसानी के साथ खरीद सकते हैं और इस लोन की अदायगी आप आसान किस्तों में दो से तीन साल में कर सकते हैं। शुरुआत में चूंकि बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं सिर्फ बैंक द्वारा ही प्रदान की जाती थीं इसलिए हमें लोन लेने के लिए बैंकों के पास ही जाना पड़ता था लेकिन जैसे वित्तीय क्षेत्र की निजी कंपनियों को कामकाज की अनुमति मिलने लगी तब से लोन हासिल करना और भी ज्यादा आसान हो गया। वित्तीय कंपनियां कर्ज लेने के इच्छुक व्यक्ति को सिर्फ एक या दो दिन में ही लोन प्रदान कर देती हैं। यह कंपनियां सारी औपचारिकताएं जल्द से जल्द निपटाने का प्रयास करती हैं ताकि ज्यादा से ज्याद ग्राहकों को आकर्षित कर सकें। वित्तीय कंपनियों के बाद मार्केट में लांच हुए डिजिटल लेंडिंग ऐप। इन ऐप के जरिए पर्सनल लोन कुछ ही मिनटों में मिल जाता है। ऐप कंपनी द्वारा लोन से जुड़ी सारी औपचारिकताएं फटाफट निपटा कर कुछ ही मिनटों में लोन की रकम ग्राहक के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर देती हैं।

क्या हैं डिजिटल लेंडिंग ऐप

डिजिटल लेंडिंग ऐप दरअसल वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनियों का आनलाइन माध्यम है। इन ऐप के जरिए कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से लोन हासिल कर सकता है। डिजिटल लेंडिंग लोन अप्रूव करने वाली कंपनी अपने ऐप के माध्यम से लोन लेने के इच्छुक व्यक्ति के केवाईसी डाक्यूमेंट की फोटो अपलोड करवाती हैं। सारे डाक्यूमेंट ऐप पर अपलोड होने के बाद कंपनी फटाफट इनकी जांच करती है और झटपट लोन मंजूर करके ग्राहक के बैंक खाते में ट्रांसफर भी कर देती है। लोन लेने वाला व्यक्ति इतने कम समय में लोन हासिल करके खुश हो जाता है। लेकिन इस तरह के ऐप से लोन लेना कभीकभी खतरनाक भी साबित हो सकता है।

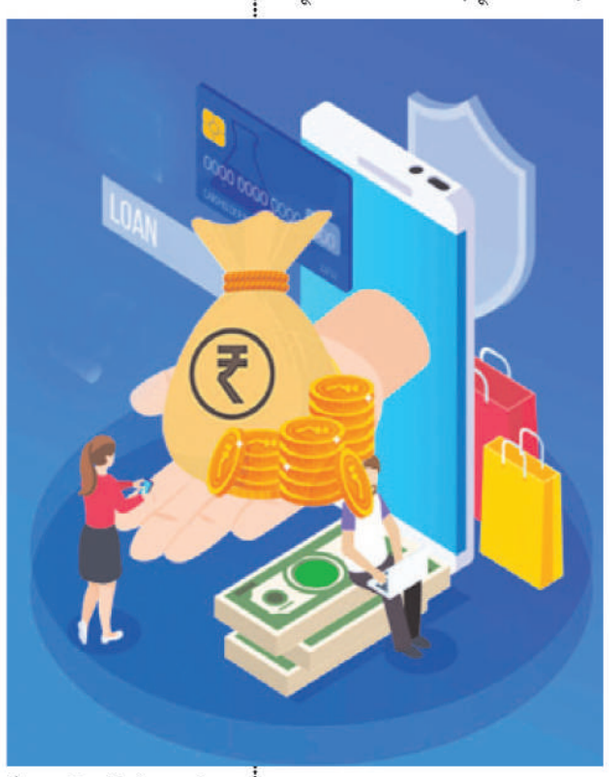

लोन लेने वाले व्यक्ति की बढ़ सकती हैं समस्याएं

व्यक्ति लोन इसलिए लेता है ताकि उसकी मौजूदा मुश्किलों को खत्म किया जा सके। यह बात एकदम सही है कि डिजिटल लेंडिंग ऐप कुछ ही मिनटों में लोन दे देते हैं यही ऐप आपकी मुश्किलों को बढ़ा भी सकते हैं। डिजिटल लेंडिंग ऐप के जरिए लोन लेना जहां आसान है वहीं लोन लेने के बाद कई ऐप द्वारा रिकवरी एजेंटों को आपके घर पर भेजा जाता है जो घर वालों के सामने अक्सर अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। जिससे कई बार लोग खुदकशी करने को मजबूर हो जाते हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

एक मीडिया घराने की रिपोर्ट के अनुसार इन लेंडिंग ऐप के जरिए लोन लेने वाले करीब डेढ़ दर्जन लोग खुदकशी करने पर मजबूर हुए हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 में देश में आत्महत्या करने के कुल मामलों में 3.4 फीसद मामले कर्ज या अन्य वित्तीय लेनदेन से जुड़े थे। उधर डिजिटल लेंडिंग मामलों में बढ़ती धोखाधड़ी को देखते हुए तेलंगाना पुलिस ने 135 संदिग्ध ऐप की एक सूची जारी की है। जिसमें कई नामी गिरामी डिजिटल लेंडिंग ऐप भी शामिल हैं।

महामारी में ज्यादा सक्रिय हुए यह ऐप

कोविड महामारी में जिस तरह से लोगों की नौकरियां गईं और उनके सामने वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया उसकी वजह से वे लोन लेने को मजबूर हो गए। ये ऐसे लोग थे जिनके पास नौकरियां नहीं थीं, रोजगार नहीं थे इसलिए इन्हें बैंक से लोन नहीं मिल रहा था जिसका फायदा इन डिजिटल लेंडिंग ऐप कंपनियों ने उठाया और मामूली सी औपचारिकताएं पूरी करके उन्हें लोन उपलब्ध कराना शुरू कर दिया। यह भी नहीं देखा कि जिन्हें वे लोन दे रही हैं वह वापस कैसे करेंगे। जब उनके पास नौकरी नहीं है, रोजगार नहीं है तो वह लोन की अदायगी कैसे करेंगे। जब यह लोग लोन की किस्त में एक महीने की भी देरी करते तो इन लोगों को बुरी तरह प्रताड़ित भी किया जाता।

रिजर्व बैंक की सलाह

देश का केंद्रीय बैंक इस तरह के ऐप के जरिए लोन न लेने की सलाह अक्सर देता रहता है। इसके लिए बैंक की तरफ से बाकायदा ऐसे ऐप से दूर रहने के लिए अलर्ट भी जारी किया जाता है। रिजर्व बैंक के एक कार्यसमूह की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष देश में करीब छह सौ ऐसे डिजिटल लेंडिंग ऐप की पहचान की गई जिनकी भूमिका फेक लोन देने के मामले संदिग्ध पाई गई। आरबीआई के सचेत पोर्टल को डिजिटल लेंडिंग ऐप से जुड़ी करीब 2562 शिकायतें मिली हैं। यह ऐप पांच हजार रुपए तक के लोन भी दे देते हैं और उसकी वसूली के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। देश में करीब 1100 डिजिटल लेंडिंग ऐप काम कर रहे हैं लेकिन फटाफट लोन देने वाले यह ऐप झटपट इसकी वसूली भी शुरू कर देते हैं और ईएमआई में एक दिन की देरी होने पर भी कर्जदार को परेशान करना शुरू कर देते हैं जिससे लोन लेने व्यक्ति की समस्याओं में इजाफा ही होता है।

... तो निरस्त नहीं होगा वाहन बीमा दावा

जब भी कोई वाहन खरीदा जाता है तो उसका बीमा जरूर कराया जाता है, क्योंकि यह एक वैधानिक बाध्यता है। स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार, बस, ट्रक यहां तक कि इंडस्ट्रियल मशीनरी की श्रेणी में आने वाले वाहन जैसे जेसीबी या डंपर इत्यादि का बीमा कराना भी जरूरी होता है। अगर व्यक्ति कोई भी वाहन चला रहा है और उस वाहन के बीमा की वैधता खत्म हो चुकी है तो यातायात पुलिस ऐसे वाहन का चालान करके पेनाल्टी के रूप में भारी रकम वसूल सकती है। इसलिए वाहन खरीदते समय ही इसका बीमा करा लेना सबसे बेहतर रहता है। वाहन शोरूम संचालकों को भी इस बात के निर्देश हैं कि वह वाहन क्रय करने वाले व्यक्ति से वाहन की कीमत के अलावा उसके बीमा की रकम भी वसूल करें। हालांकि इससे वाहन खरीदते वक्त अच्छी खासी रकम बायर्स को देनी पड़ती है लेकिन चूंकि पहले लोग वाहन खरीदने के बाद उसका बीमा काफी समय तक नहीं कराते थे इसलिए सरकार को शोरूम संचालकों को ही गाड़ी का बीमा कराने के निर्देश देने पड़े।

कई तरह के जोखिम कवर

वाहन बीमा या मोटर बीमा में कई तरह के कवर प्रदान किए जाते हैं। व्यक्ति चाहे तो काम्पैक्ट पालिसी भी ले सकता है जिसमें सभी तरह के जोखिम कवर शामिल होते या चुनिंदा कवर वाली पालिसी भी खरीद सकता है। बीमा कवर में मुख्य रूप से दुर्घटना में नुकसान, वाहन को एक स्थान से दूसरे स्थान तक किसी भी माध्यम से ले जाने में होने वाले नुकसान का कवर, प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप, बाढ़, भूस्खलन आदि से वाहन को हुए नुकसान का कवर, मानव जनित घटनाएं जैसे दंगा, धरना, प्रदर्शन और हिंसा आदि से वाहन को हुए नुकसान का कवर तथा वाहन के चोरी हो जाने से होने वाले नुकसान का कवर शामिल होता है।

जीरो डेप्रिसिएशन पालिसी खरीदें

जीरो डेप्रिसिएशन बीमा पालिसी के क्लेम में गाड़ी की मौजूदा वैल्यू तय करने में डेप्रिसिएशन (गाड़ी चलने से उसकी वैल्यू में कमी होना) को आधार नहीं बनाया जाता इसलिए इसमें क्लेम की रकम पूरी की पूरी मिल जाती है। किसी हादसे या अन्य वजह से गाड़ी को अगर नुकसान पहुंचता है, तो बीमा कंपनी दावे की पूरी राशि का भुगतान नियमानुसार करती है। साथ ही किसी दूसरी गाड़ी में हुए नुकसान का खर्च भी बीमा कंपनी प्रदान करना होता है तो वह भी करती है।

वाहन चलाने में स्टंट न करें

कई लोग गाड़ी चलाते वक्त उसकी स्पीड अचानक कम ज्यादा कर देते हैं, एक्सीलेटर एकदम से बढ़ातेघटाते हैं, सीट बेल्ट या हेलमेट को नजरंदाज करते हैं, बाइक चालक अक्सर स्टंट करते, भारी वाहन या यात्री वाहन में ओवरलोडिंग की जाती है, रांग साइड में गाड़ी चलाते हैं, रेलवे फाटक बंद होने की स्थिति में भी वाहन को निकालने का प्रयास करते हैं तो ऐसे लोगों को सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि वाहन दुर्घटना बीमा का क्लेम किए जाने के वक्त अगर कंपनी ने जांच में इन कारकों में से किसी एक कारक को भी आसपास लगे कैमरों की डिटेल में देख लिया तो वह क्लेम देने से मना कर सकती है।

गाड़ी में एसेसरीज लगाने की सूचना कंपनी को दें

कई बार लोग अपनी गाड़ी में फाग लाइट, रूफ विंडो, सीएनजी किट, विशेष प्रकार का बंपर इत्यादि लगा लेते हैं जो कि बीमा कंपनी के नियमानुसार गलत है। अगर कोई व्यक्ति इस तरह की चीजें अपनी गाड़ी में लगाता है तो इसकी सूचना बीमा कंपनी को देकर इन चीजों को पालिसी कवर में जुड़वाना जरूरी है। कंपनी चाहे तो इन चीजों को भी कवर दे सकती है और अगर चाहे तो यह चीजें लगाने को मना भी कर सकती है। कंपनी बीमा कवर सिर्फ उन्हीं चीजों का देगी जो बीमा कराते वक्त गाड़ी में लगी हुई थीं।

जलभराव में गाड़ी चलाने से बचें

भारी बरसात में हुए जलभराव से होते हुए यदि आप निकल रहे हैं और इंजन में पानी आ जाने से आपकी गाड़ी खराब हो जाती है तब भी वाहन बीमा क्लेम मिलना मुश्किल है। कंपनी आपसे सवाल कर सकती है कि जब आप देख रहे थे कि पानी भरा है और गाड़ी बंद हो सकती है या उसको नुकसान पहुंच सकता है तो आपने गाड़ी पानी में उतारी क्यों ? कंपनी अगर आपके जवाब से संतुष्ट नहीं हुई तो वह क्लेम देने से मना कर सकती है।

पुलिस को दें सूचना

यदि हाई वे पर आपकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है तो तत्काल 112 नंबर डायल करके पुलिस को सूचित कर सकते हैं और जरूरी मदद के साथसाथ उसकी पावती / कंप्लेंट नम्बर ले सकते हैं, जो क्लेम किए जाने के वक्त बड़े काम का सिद्ध होता है। कोशिश करके दुर्घटनाग्रस्त वाहन का फोटो या वीडियो खुद बनाएं या किसी से बनवा लें साथ ही बीमा कंपनी को भी उसी समय सूचित करने की कोशिश करें।

अधिकृत सर्विस सेन्टर पर कराएं सर्विसिंग

अगर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तो कोशिश यही करें कि वाहन की मरम्मत वाहन कंपनी द्वारा अधिकृत सर्विस सेन्टर पर ही कराएं। अगर आप किसी निजी मिस्त्री से मरम्मत कराकर बीमा का क्लेम लेना चाहेंगे तो यह संभव नहीं होगा।

यह भी जरूरी

बीमा लेने से पहले दोतीन वाहन बीमा कंपनियों की कार्य प्रणाली, प्रीमियम, क्लेम निस्तारण में लगने वाले समय आदि के बारे में जानकारी अवश्य कर लें। इसके अलावा दुर्घटना या वाहन चोरी के सामान्य दावों के निस्तारण में लगने वाले कागजात आदि के बारे में भी जानकारी जरूर रखें। सभी कुछ कंपनी के प्रतिनिधि या बीमा सलाहकार पर नहीं टालना चाहिए।

वाहन बीमा अनिवार्य होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने वाहन का बीमा नहीं कराता है तो वाहन को क्षति पहुंचने पर उसे आर्थिक नुकसान तो होता ही है साथ ही बीमा ना कराकर वह कानून का उल्लंघन भी करता है जिसकी वजह से उसे जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। अगर आपने अपने वाहन का बीमा अब तक नहीं कराया है तो उसे तुरंत करा लें और अगर आपके वाहन का पहले से ही बीमा है तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें जिससे आपको क्लेम लेते वक्त किसी परेशानी का सामना ना करना पड़े

दावा रद्द होने से बचाएं

वाहन बीमा का क्लेम लेने में कई तरह की पेचीदगियां होती हैं लेकिन अगर कुछ बातों का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए तो आपका क्लेम कभी भी रिजेक्ट नहीं होगा और न ही आपसे कुछ अतिरिक्त कागजात मांगे जाएंगे।

ऑरेंज कैप

जोस बटलर

824 रन

राजस्थान रॉयल्स

पर्पल कैप

वानिंदु हसरंगा

26 विकेट

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर

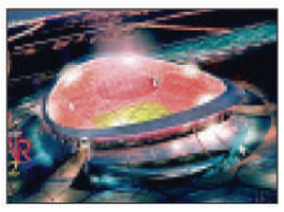

आईपीएल फाइनलः गुजरात 'टाइटंस' के सामने आज राजस्थान की 'रॉयल' चुनौती

हार्दिक की टीम पदार्पण सत्र में ही नया इतिहास रचने को तैयार

■ 15 साल बाद रॉयल्स के पास फिर इतिहास को दोहराने का मौका

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

आईपीएल खिताब के लिए आखिरी तिलिस्म तोड़ने की दहलीज पर खड़ी गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के लिए इस मैच में बहुत कुछ दाव पर लगा है। पंद्रह वर्ष पहले आईपीएल के पहले सफर में सुनहरी शुरुआत करने वाले राजस्थान रॉयल्स एक बार फिर इतिहास को दोहराना चाहेंगे तो दिग्गजों को जमींदोज करके अपने पहले ही सफर में सिरमौर बनी गुजरात टाइटंस कामयाबी का नया इतिहास रचने की फिराक में होगी। इस मैच से नायक भी निकलेंगे, दिल भी टूटेंगे और कीर्तिमान भी बनेंगे लेकिन यह मुकाबला ऐसा होगा जिसे क्रिकेटप्रेमी बरसों तक याद रखेंगे।

■ राजस्थान के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर 824 रन के साथ शीर्ष पर

दो महीने पहले जब आईपीएल का मौजूदा सत्र शुरू हुआ था तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि फाइनल के टॉस के लिए संजू सैमसन और हार्दिक पंड्या मैदान पर उतरेंगे। अपने कॅरियर में कई उतार चढ़ाव देख चुके हार्दिक और मुख्य कोच आशीष नेहरा के लिए दो महीने का यह सफर सपने सरीखा रहा। नीलामी के बाद इस टीम को परखे बिना ही दौड़ से बाहर मान लेने वाले क्रिकेट पंडितों से लेकर आलोचकों तक सभी को अपने प्रदर्शन से इन्होंने जवाब दिया है

पंड्या ने बतौर कप्तान मनवाया अपना लोहा

'वन मैच वंडर' कहे जा रहे राहुल तेवतिया और लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों की यह टीम कागजों पर उतनी मजबूत नहीं लग रही थी। लेकिन फिर क्रिकेट तो अनिश्चितताओं का ही खेल है जिसमें मैदान पर ही तकदीर बनती और बिगड़ती है। फिट होकर फॉर्म में लौटे हार्दिक ने बतौर कप्तान अपना लोहा मनवाया है। कप्तानी का दबाव लिए बिना बल्लेबाजी में भी वह चमके हैं। दूसरी ओर पांच बरस से अपनी लय हासिल करने को तरस रहे मिलर ने सभी को चौंका दिया है। तेवतिया ने साबित कर दिया कि शारजाह में जड़े पांच छक्के महज तुक्का नहीं थे। राशिद खान ने अपनी तरकश में कई नए तीर रखे हैं तो रिद्धिमान साहा ने अपने प्रदर्शन से कम से कम एक सत्र और खेलना पक्का कर लिया।

गुजरात में दिख रही क्रिकेट की दिवानगी

गुजरात कभी भी क्रिकेट के जुनून के लिए मशहूर नहीं रहा है। इस राज्य से पार्थिव पटेल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी निकले हैं लेकिन जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स की कामयाबी के बाद तमिलनाडु पर क्रिकेट की दीवानगी सिर चढ़कर बोलने लगी, वह हाल अब गुजरात का है। खचाखच भरे मोटेरा स्टेडियम पर अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का फायदा भी गुजरात को मिला।

आईपीएल खिताब जीत वार्न को श्रद्धांजलि देंगे रॉयल्स के खिलाड़ी

राजस्थान ऐसे सितारे के लिए खिताब जीतना चाहेगी जो आसमान से कहीं अपनी इस टीम को निहार रहा होगा। आईपीएल का पहला खिताब सितारों के बिना एक युवा टीम को दिलाने वाले शेन वॉर्न राजस्थान रॉयल्स के प्रदर्शन पर जरूर गौरवान्वित होते। प्रतिभा की बात करें तो संजू और हार्दिक के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। संजू उन बिरले खिलाड़ियों में से है जो भारत के लिए 20 मैच भी नहीं खेले हैं लेकिन उनकी लोकप्रियता कमाल की है। कप्तानी में कामयाबी के साथ उनकी प्रतिभा और परवान चढ़ी है। उनके पास रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, जोस बटलर, ट्रेंट बोल्ट जैसे दिग्गज तो यशस्वी जायसवाल और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे युवा खिलाड़ी हैं लेकिन संजू ने सभी के साथ अच्छा तालमेल बिठाकर टीम को यहां तक पहुंचाया है।

टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस

हार्दिक पंड्या (कप्तान), अभिनव मनोहर, डेविड मिलर, गुरकीरत सिंह, बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मैथ्यू वेड, गुरबाज, रिद्धिमान साहा, अल्जारी जोसेफ, दर्शन नालकांडे, लॉकी फर्ग्युसन, मोहम्मद शमी, नूर अहमद, प्रदीप सांगवान, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, वरुण आरोन और यश

राजस्थान रॉयल्स

संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, शिमरोन हेटमायर, देवदत्त पडिक्कल, प्रसिद्ध कृष्णा, चहल, रियान पराग, केसी करियप्पा, नवदीप सैनी, ओबेद मैकॉय, अनुनय सिंह, कुलदीप सेन, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, तेजस बरोका, कुलदीप यादव, शुभम गढ़वाल, जेम्स नीशाम, नाथन कूल्टर-नाइल, रेसी वान डेर डुसेन, डेरिल मिशेल और कॉर्बिन बॉश।

खबर संक्षेप

आस्ट्रेलिया ने किया टीम का ऐलान

सिडनी। आस्ट्रेलिया ने कतर में जून में होने वाले आखिरी विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर के लिए 29 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है जिसमें हाल ही में यूरोप में अपने क्लबों के साथ खिताब जीतने वाले दो खिलाड़ी शामिल हैं। एडिन रस्टिक यूरोपा लीग चैंपियन एनट्राश फ्रेंकफर्ट टीम का हिस्सा हैं जबकि टॉम रोजिक ने सेल्टिक एफसी के साथ स्कॉटिश प्रीमियर लीग जीता। खिलाड़ी अगले तीन दिन में दोहा पहुंच जाएंगे। आस्ट्रेलिया की नजरें लगातार पांचवीं बार विश्व कप में जगह बनाने पर है।

स्पिनरों के खिलाफ बदली मानसिकता

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज डेविड मिलर का मानना है कि स्पिनरों को खेलते समय मानसिकता में बदलाव से उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में कामयाबी मिल सकी। मिलर ने गुजरात टाइटंस के लिए15 मैचों में 449 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'स्पिनरों के सामने मेरे लिए यह सत्र अच्छा रहा। मैने इस पर काफी मेहनत की है। मैने स्पिनरों के खिलाफ अपनी मानसिकता बदली। एक या दो चीजों में बदलाव किया। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि हर गेंद पर रन बनाऊं।'

सैमसन बतौर खिलाड़ी और कप्तान असाधारण

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा का कहना है कि संजू सैमसन ने विकेटकीपर, कप्तान और बल्लेबाज की तिहरी भूमिका को आईपीएल में बखूबी अंजाम दिया है। राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सात विकेट से हराकर 2008 के बाद पहली बार आईपीएल फाइनल में जगह बनाई। संगकारा ने कहा, 'संजू का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछले सत्र में काफी कड़े इम्तिहान से उसने शुरुआत की जब युवा टीम, कोरोना संक्रमण के मामले और दो चरण में टूर्नामेंट हुआ लेकिन वह अपनी भूमिका में परिपक्व हुआ है।'

सकलडीहा पुलिस ने दबोचे 3 वारंटी पुराने मामले में चल रहे थे वांछित

प्रखर चंदौली। सकलडीहा कोतवाली पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 2 अलग अलग मामलों के 3 वांछित वारंटियों को गिरफ्तार किया है बताया जा रहा है कि इनके खिलाफ सीजेएम कोर्ट और सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में मुकदमा चल रहा था सकलडीहा कोतवाली पुलिस और ढोल चौकी इंचार्ज भैरोनाथ यादव के 3 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार किये गये वारंटी लोकनाथ पुत्र गौरव निवासी नागेपुर और रामलाल पुत्र स्वर्गीय घोर भरण हुआ जितेंद्र यादव पुत्र सौरवी रामदुलारे यादव निवासी वर्दी सड़ांध शामिल हैं इनको चंदौली के न्यायालयों द्वारा वांछित बताए जाने के क्रम में गिरफ्तार किया गया है बताया जा रहा है कि इस लोकनाथ 2017 में सकलडीहा कोतवाली में दर्ज 1 मामले में वांछित है जबकि रामलाल और जितेंद्र यादव 2019 में धानापुर में दर्ज 1 मामले में वांछित बताए जा रहे हैं।

बोपन्ना और मिडलकूप ने विंबलडन चैंपियन को दिखाया बाहर का रास्ता

एजेंसी ▶▶| पेरिस

भारतीय खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और माटवे मिडलकूप की जोड़ी ने हार नहीं मानने का गजब का जज्बा दिखाते हुए शनिवार को यहां पांच मैच प्वाइंट बचाकर माटे पाविच और निकोला मेकटिच की मौजूदा विम्बलडन चैंपियन जोड़ी को फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम से बाहर कर दिया।

■ फ्रेंच ओपनः पाविच और मेकटिच की जोड़ी को 6-7, 7-6, 7-6 से हराया

पुरुष युगल के कांटे की टक्कर के तीसरे दौर मुकाबले में बोपन्ना की सर्विस हमेशा की तरह खतरनाक थी और उनकी वॉली भी तेज तर्रार थी जबकि नीदरलैंड के उनके जोड़ीदार ने दबाव में बेहद संयम दिखाया। बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी ने दो घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में पाविच और मेकटिच की जोड़ी को 6-7, 7-6, 7-6 से शिकस्त दी। बोपन्ना इस तरह क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर क्ले कोर्ट मेजर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी करने में सफल रहे। वह पहले चार बार ऐसा कर चुके हैं। बोपन्ना ने इसके बाद स्लोवेनिया की आंद्रेजा क्लेपैक के साथ मिश्रित युगल स्पर्धा में अमेरिका के एशिया मुहम्मद और ब्रिटेन की लॉयड ग्लासपूल पर 6-1, 6-4 से आसान जीत के साथ शानदार शुरुआत की। महिला युगल में 10वीं वरीयता प्राप्त सानिया मिर्जा और उनकी चेक जोड़ीदार लूसी हरडेका ने काजा जुवान और तमारा जिदानसेक की स्लोवेनियाई टीम को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया।

निशानेबाज रूद्रांक्ष ने क्वालीफिकेशन की बाधा पार की

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज रूद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल ने जूनियर विश्व कप की अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए अजरबेजान के बाकू में संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के अंतिम आठ चरण में जगह बनाई। अंतिम चरण रविवार को होगा। भारत ने इस विश्व कप के लिए 12 सदस्यीय राइफल टीम भेजी है। रूद्रांक्ष तीन हफ्ते पहले जूनियर विश्व कप की इसी स्पर्धा में विजेता रहे थे। उन्होंने 78 निशानेबाजों के क्वालीफिकेशन दौर में 628.8 अंक से चौथा स्थान हासिल किया जिसमें सर्बिया के लाजार कोवासेविच 630.6 अंक से शीर्ष पर रहे। इस स्पर्धा में अन्य भारतीयों में दीपक कुमार 15वें, पार्थ मखिजा 26वें जबकि बधिर ओलंपिक चैम्पियन धनुष श्रीकांत 35वें स्थान पर रहे।

सुपरनोवाज तीसरी बार बनी महिला टी20 चैलेंज चैंपियन

रोमांचक मुकाबले में वेलॉसिटी को चार रन से हराया

एजेंसी ▶▶| पुणे

डिएंड्रा डॉटिन के हरफनमौला खेल के दम पर सुपरनोवाज ने महिला टी20 चैलेंज के बेहद रोमांचक फाइनल में शनिवार को वेलॉसिटी की टीम को चार रन से शिकस्त देकर तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। वेस्टइंडीज की डॉटिन ने दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 44 गेंद में 62 रन की आक्रामक पारी खेलने के बाद गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाए।

सुपरनोवाज	
165/7	20 ओवर

वेलॉसिटी	
161/8	20 ओवर

सुपरनोवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 165 रन पर बनाए। लौरा वुलवार्डट की 40 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी के बाद भी वेलॉसिटी की टीम आठ विकेट पर 162 रन बना सकी।

वेलॉसिटी की टीम 117 रन पर आठ विकेट गंवाकर मुश्किल में थी लेकिन वुलवार्डट और 10वें नंबर की बल्लेबाज सिमरन दिल बहादुर (नाबाद 20 रन) ने 45 रन की नाबाद साझेदारी कर मैच को रोमांचक बना दिया लेकिन टीम चार रन से लक्ष्य से दूर रह गई।

भाजपा नेता अभिनंदन तिवारी ने भागवत कथा में पहुंचकर कथावाचक से लिया आशीर्वाद

श्रीमद् भागवत केवल कथा नहीं, मन को सुंदर और शुद्ध बनाने का सशक्त माध्यम है- अभिनंदन तिवारी

प्रखर सन्तकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व समाज सेवी अभिनंदन तिवारी ने बघौली ब्लाक के बकहा में चल रहे नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होकर कथा श्रवण किए। इस दौरान भाजपा नेता अभिनंदन तिवारी ने कथावाचक आचार्य धरणी धर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा नेता अभिनंदन तिवारी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण हमें अपने जीवन के व्यस्त समय में से कुछ समय निकाल कर अवश्य करना चाहिए। श्री तिवारी ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल कथा नहीं, मन को सुंदर और शुद्ध बनाने का सशक्त माध्यम है। यह ऐसा दर्पण है, जिसमें हमें अपनी कमियां भी दिखाई दे सकती हैं। हम कितने शुद्ध और निर्मल हैं, इसका आकलन करना है तो भागवत की शरण में जरूर बैठे। भागवत आत्म निरीक्षण करना सिखाती है। स्वच्छता बाहर की होती है और पवित्रता अंदर की। हम कितने स्वच्छ और कितने पवित्र हैं, इसका अंदाजा हमें भागवत के श्रवण से ही मिलेगा। राम और कृष्ण इस देश के आधार स्तंभ हैं। इनके बिना भारत भूमि की कल्पना करना भी संभव नहीं है।भाजपा नेता ने आयोजक परिवार को इस पुण्य कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद दीया।इस अवसर पर मुख्य यजमान सत्य नारायण सिंह, कृष्ण मोहन सिंह, विष्णु दत्त सिंह, कृष्ण मुरारी सिंह गुड्डू सिंह, विरेंद्र पाठक, सचिदानंद पाठक,श्रवण पाठक,अभय सिंह राहुल सिंह, विवेक सिंह, हरेंद्र सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, रामनारायण सिंह,जग नारायण सिंह,राम सिंह,राम लौट , सुभाषचन्द्र दयाशंकर शर्मा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

विश्व चैंपियनशिप में भी कोई दबाव नहीं लूंगा : चोपड़ा

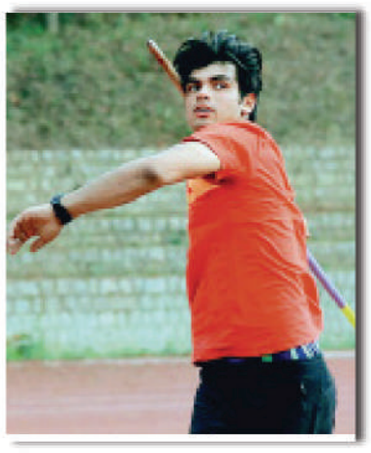

नई दिल्ली। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा जुलाई में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में निश्चित रूप से पदक जीतना चाहते हैं लेकिन वह इसके लिए ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहते। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने कहा कि वह विश्व चैंपियनशिप में पदक के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं और वह इसमें भी उसी सोच के साथ उतरेंगे जो उन्होंने टोक्यो ओलंपिक के दौरान अपनाई थी। वह विश्व चैंपियनशिप में निश्चित रूप से यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं, अगर प्रतिस्पर्धा के दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। चोपड़ा ने फिनलैंड में अपने 'ट्रेनिंग बेस' से साक्षात्कार में कहा, 'पिछले साल ओलंपिक में मैंने कोई दबाव नहीं लिया था, मैं यह नहीं सोच रहा था कि मुझे स्वर्ण पदक जीतना ही है। इसलिए मैंने अच्छा किया और स्वर्ण पदक जीता।

महामहिम राष्ट्रपति जी के सम्भावित आगमन के दृष्टिगत मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा मगहर में निर्माण कार्यो/तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण कर लिया गया जायजा

प्रखर संत कबीर नगर । प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि महामहिम राष्ट्रपति के 5 जून 2022 (रविवार) को आगमन के दृष्टिगत जनप्रतिनिधियों की देखरेख में पूरे खलीलाबाद नगर पंचायत में साफ-सफाई अभियान संचालित किया जाए। इसमें शासन प्रशासन द्वारा सहयोग दिया जाएगा। महामहिम राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए व्यवस्था संबंधी निरीक्षण करने के बाद बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा को लेकर पर्याप्त सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिया है कि संत कबीर अकादमी एवं शोध संस्थान के सभागार में समय से लोग उपस्थित हो जाएं तथा पूरे कार्यक्रम के दौरान शालीनता का परिचय दें। सीट के अनुसार ही लोगों को पास जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि महामहिम के भ्रमण के दौरान अनावश्यक रूप से कोई भी व्यक्ति इधर-उधर घूमता ना मिले। कार्यक्रम के अनुसार महामहिम संत कबीर की समाधि एवं मजार पर जाएंगे। उसके पश्चात वृक्षारोपण करेंगे तथा संत समागम को संबोधित करेंगे।

यहीं पर वे कबीर चौरा में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों का उद्घाटन भी करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सर्वप्रथम महामहिम राष्ट्रपति के आगमन हेतु बनाये जा रहे हैलीपैड का निरीक्षण किया गया, संत कबीर समाधि स्थल, मजार, गुफा, नवनिर्मित संत कबीर अकादमी एवं शोध संस्थान एवं संत कबीर न्यूरल पेटिंग दीर्घा इण्टरप्रिटेशन सेन्टर, एक्जिविशन हॉल आदि का निरीक्षण किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा संत कबीर की मजार पर पुष्पअर्पित किया गया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि केवल पूर्ण योजनाओं का ही उद्घाटन कराया जाए, अपूर्ण योजनाओं को कतई शामिल न किया जाए। उन्होंने उप निदेशक, पर्यटन को निर्देशित किया कि पर्यटन विभाग की पूर्ण योजनाओं की सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दें, तदनुसार शिलापट्टिका भी तैयार कर लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी कार्य 2 जून 2022 तक अवश्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि उद्घाटन किए जाने वाले कार्य, महामहिम के आगमन पर हेलीपैड, कबीर समाधि स्थल की जगह पर स्वागत करने के लिए जनप्रतिनिधियों की सूची का अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के माध्यम से राष्ट्रपति भवन को भेजकर समय से अनुमति प्राप्त कर ली जाए। उन्होंने कहा कि कबीर चौरा में कबीर समाधि स्थल पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम कराया जाए, इसके अलावा संस्कृति विभाग से समन्वय करके दो-तीन स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाए, आने वाले लोगों के लिए एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की जाए ताकि वह कार्यक्रम का प्रसारण देख सकें। मुख्यमंत्री ने साफ-सफाई के अलावा कार्यक्रम में आने वाले वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने आज लखीमपुर खीरी में हुई सड़क दुर्घटना में मृतक यात्रियों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क पर विशेष रुप से नेशनल हाईवे पर बेतरतीब वाहन खड़े हो, इनको समझा-बुझाकर हटाया जाए, ना मानने पर इनका चालान भी किया जाए, मानव जीवन की रक्षा के लिए यह आवश्यक है। बैठक के दौरान सांसद प्रवीण निषाद, विधायक अंकुर राज तिवारी, अनिल कुमार त्रिपाठी, गणेश चौहान, पूर्व विधायक मेंहदावल राकेश सिंह बघेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष संगीता वर्मा, एडीजी अखिल कुमार, मंडलायुक्त बस्ती गोविंद राजू एनएस, आईजी बस्ती राजेश मोदक डी राव, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार, अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी एस0एन0 श्रीवास्तव, तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

शतरंज ओलंपियाड

187 देशों की रिकॉर्ड 343 टीम ने कराया पंजीकरण

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अनुसार 28 जुलाई से 10 अगस्त तक यहां होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड में 187 देशों की रिकॉर्ड 343 टीम हिस्सा लेंगी। भारत इस वैश्विक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है जो दो वर्ग- ओपन वर्ग और महिला वर्ग में खेली जाएगी। एआईसीएफ के सचिव और टूर्नामेंट निदेशक भरत सिंह चौहान ने कहा, 'हमने 187 देशों से रिकॉर्ड पंजीकरण किए हैं जिसमें ओपन वर्ग में 189 टीम और महिला वर्ग में 154 टीम का पंजीकरण किया गया है।'

पिछली बार 2018 में जॉर्जिया में हुए ओलंपियाड में 179 देशों से रिकॉर्ड 184 (ओपन वर्ग) और 150 (महिला वर्ग) टीम का पंजीकरण किया गया था। विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन ने इस टूर्नामेंट में भागीदारी की पुष्टि की है और वह आकर्षण का केंद्र होंगे।

गौसपुर बुजुर्गा में वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या, सनसनी

ट्यूबेल पर सोते समय रात को हुई घटना

प्रखर जखनिया गाजीपुर। शनिवार की देर रात अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से शहर कोतवाली क्षेत्र के गौसपुर बुजुर्गा निवासी विक्रमा यादव (60) के सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दिया जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने रविवार को मौके पर पहुंचकर। घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ ही मृतक की पत्नी गिरिजा देवी से आवश्यक पूछताछ किया।

विक्रमा यादव शनिवार की रात खाना खाने के बाद प्रतिदिन की तरह शनिवार को घर से करीब सौ मीटर दूर अपने ट्यूबवेल पर सोने चले गए। ग्रामीणों की माने तो रात करीब एक बजे दो बाइक पर सवार पांच से छह की संख्या में लोग विक्रमा के ट्यूबवेल पर पहुंचे थे। रविवार की सुबह ग्रामीण जब ट्यूबवेल पर पहुंचे तो देखा कि खून से लतफत विक्रमा चारपाई पर पड़े हुए थे। यह देख शोर मचाने लगे। देखते-देखते मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गयी, तबतक कोतवाली पुलिस भी पहुंच गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गौरतलब हो कि जिस चारपाई पर विक्रमा पड़े हुए थे, उस चारपाई के नीचे शराब की शीशी भी मिली है। आशंका जताई जा रही है की घटना से पहले पीने का कार्य किया गया होगा।फिर उसी शराब की बाटली से विक्रमा के सिर पर बदमाशों ने वार किया होगा। स्वजन आनन-फानन में विक्रमा को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां हालात गंभीर देख चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

जहां ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं सुबह पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह गांव पहुंचे और ग्रामीणों से आवश्यक जानकारी ली। इसके बाद मृतक की पत्नी से भी पूछताछ किया। विक्रमा का कोई संतान नहीं है। पत्नी की हालत भी सही नहीं रहती है। एसपी ने बताया कि हत्यारो को शीघ्र गिरफ्तारी के लिए कोतवाली पुलिस को निर्देशित किया गया। जल्द ही सभी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। विक्रमा के छोटे भाई संकटा यादव की पत्नी मंसा देवी ने अज्ञात के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराया है।

रामनगर में युवाओं ने सुनी मन की बात

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर के मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में भीटी शक्तिकेन्द्र के बुथ संख्या 438 पर रविवार को सुबह माननीय मोदी जी के मन की बात के कार्यक्रम प्रसारण का आयोजन किया गया जिसमे नगर के युवाओं ने जगह जगह कार्यक्रम को मन से सुना और मोदी जी के द्वारा बताए गए एक एक शब्द जो सांस्कृतिक, स्कील डेवलपमेंट, योग दिवस मनाने व आत्मनिर्भर बनने का प्रेरणा युवाओं को मिला मोदी जी नेतृत्व मे युवाओं को एक नई राह व आत्मनिर्भर बनने का मार्गदर्शन मिल रहा है इस मन की बात के प्रसारण को बड़ी संख्या मे युवा जगह जगह उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को रेडियो के माध्यम से सुने जिसमे मुख्य रूप से उपस्थित भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, सभासद नँद लाल चौहान, विनोद सिंह पटेल, अर्जुन शर्मा, संजय बाल्मीकि , सरोज पटेल, रवि सनातनी , विकास बघेल, रवि कुमार बघेल, वीरेंद्र शर्मा, जितेंद्र विश्वकर्मा, देवेन्द्र प्रताप सिंह आनंद शर्मा, ध्रुव पटेल, सूचित पाठक, बजरंगी गुप्ता, अर्जुन सिंह, शालू चौरसिया, लक्ष्मी नारायण सेठ, आनंद शर्मा, आलोक कनौजिया, राकेश विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ट्रॉली से गिरकर सड़क हादसे में किशोर की मौत

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के वैदिक धर्म इंटर कॉलेज डुमरी निवास के पास चलती ट्रैक्टर-ट्राली से गिरकर रविवार की भोर में 5:00 बजे के करीब एक किशोर की मौत हो गई है । घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए तत्काल एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठरार्पार ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। ग्राम मुजौली निवासी राजन 17 वर्ष,पुत्र हरिकांत एक टेंट हाउस की दुकान पर काम करता था। आज भोर में ट्रेक्टर-ट्राली से सामान लादकर डुमरी इंटर कालेज चौराहे के पास पहुंचा था कि अचानक ट्राली से गिर गया, जिससे सिर व कमर में गंभीर चोट लग गई थी । मौके पर पहुंची घघसरा पुलिस चौकी की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फरार चल रहे प्रधान को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र आदर्श पुलिस चौकी घघसरा के अन्तर्गत के ग्राम सोनबरसा उर्फ हड़हा के वर्तमान ग्राम प्रधान इंद्रेश साहनी को 28 मई 2022 शनिवार को शाम चार बजे सहजनवां थाना क्षेत्र के पिपरा तिराहा पर गिरफ्तार कर लिया। आरोपित प्रधान के खिलाफ थाने में आईपीसी धारा 307,323,325,504,506 जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था जो महीने भर से फरार चल रहा था। जिसकी तलाश में पुलिस निरंतर जुटी हुई थी। बताया जाता है कि सोनबरसा उर्फ हड़हा में बीते अप्रैल महीने में किसी बात को लेकर गांव के विनोद तिवारी उर्फ बबलू से पंचायत में कहा सुनी के बाद रास्ते में घेरकर ग्राम प्रधान व उनके समर्थकों ने पीट-पीटकर कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर सहजनवां पुलिस ने प्रधान समेत चार के विरुद्ध जान लेवा हमले जैसी- गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में चौकी प्रभारी घघसरा उपनिरीक्षक सुनील कुमार कश्यप ने कहा कि चार आरोपियों में प्रधान को लेकर दो की गिरफ्तारी हो गई है, अभी दो फरार चल रहे हैं।

एस.बी. पब्लिक इंटर कालेज में विज्ञान प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एस.बी. पब्लिक इंटर कालेज, चौका,(भुसौला), मुर्दहाँ, वाराणसी में वैज्ञानिक कौशल क्षमता के विकास के उदेश्य को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया` प्रधानाचार्य श्री संजीव सिंह ने प्रदर्शनी में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों को मेडल, सर्टिफिकेट एवं 21सौ रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया ।

छात्र संघ की मांग को विधानसभा में उठाने पर छात्र संघ ने दिया विधायको को धन्यवाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। छात्र संघ की वर्षों से यह मांग रही है कि गाजीपुर में एक विश्वविद्यालय हो और लगातार छात्र इस मांग को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। इस बाबत पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि पहली बार किसी नेता ने छात्र संघ की इस बहुप्रतीक्षित मांग को विधानसभा में उठाया है। इसके लिए मैं दीपक उपाध्याय छात्रसंघ गाजीपुर की तरफ से मोहम्मदाबाद विधायक मन्नू अंसारी व जंगीपुर विधायक विरेन्द्र यादव को ढेर सारा साधुवाद व धन्यवाद देता हूं और हम सभी छात्र संघ के लोग इस मांग का समर्थन करते हैं। आगे श्री उपाध्याय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यह मांग कि है किं गाजीपुर के विधायकों के इस मांग का समर्थन करते हुए गाजीपुर में छात्रों की बहुप्रतीक्षित विश्वविद्यालय की मांग को पूरा करें, क्यूंकि चुनाव के दौरान भाजपा के प्रत्याशियों ने भी इस मांग का समर्थन किया था तथा चुनाव बाद विधानसभा में दमदारी से उठाने की बात कही थी। आगे श्री उपाध्याय ने कहा कि हम सभी छात्र आपसे उम्मीद करते हैं कि छात्रों के भविष्य को देखते हुए एक विश्वविद्यालय देने का काम करेंगे ताकि गाजीपुर के छात्रों के साथ न्याय हो सकें तथा सभी को एक समान बेहतर उच्च शिक्षा मिल सके और यहां के छात्र भी बेहतर उच्च शिक्षा पाकर जिला सहित प्रदेश व देश का नाम रौशन कर सकें। बता दें कि वर्षों से छात्र विश्वविद्यालय को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। जनसहयोग से लाखों ट्वीट कर ट्विटर पर ट्रेंड कराने से लेकर अपने खून से लिखा पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिलाधिकारी के माध्यम से भेजने का काम कर चुके हैं।

हिंदी हितैषी परिषद के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार ओमधीरज का सम्मान किया गया

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। हिंदी हितैषी परिषद के तत्वावधान में करीब 40 कवियों, नवगीतकारों व बुद्धिजीवियों ने वरिष्ठ साहित्यकार ओमधीरज का सम्मान उनके निवास स्थान अभिज्ञान शांकुतल में किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा. आनंद सिंह ने कहा कि प्रशासनिक पदों पर कार्य करने के बावजूद हिंदी साहित्य से इतना जुड़ाव ओमधीरज जी के बिलक्षण प्रतिभा को दशार्ता है। ओमधीरज जी गंभीर बिमारी से जूझ रहे हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि उनके मनोबल को बढ़ाने के लिए उनका सम्मान करें। डा. आनंद सिह ने ओमधीरज को शॉल ओढाक र उनके दीघार्यु होने की कामना की और कहा कि यह बड़ी गर्व का विषय है कि ओमधीरज जी मुलतः गाजीपुर के निवासी हैं और अब सारनाथ में रहते हैं। ओमधीरज ने अपने लेखनी से बेघर हुए अलाव, सावन सुखे पांव बांधे नाव की छांव, रेत में बहता जल, पूर्वांचल के माटी, गोमती के स्वर आदि रचनाओं का रचा है। इस अवसर पर प्रो. हरिकेश सिंह, हिमांशु उपाध्याय, बाबू राम त्रिपाठी, जितेंद्रनाथ मिश्र, प्रो. विनोद मिश्र, प्रो. श्रद्धानंद, डा. वशिष्ठ अनूप, कविंद्र नारायण, केएस परिहार आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमृत सरोवर योजना के तहत बन रहे मॉडल तालाब का जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विकासखंड देवकली की ग्राम पंचायत धरीकलॉ और ग्राम पंचायत गोला में अमृत सरोवर योजना के तहत बन रहे मॉडल तालाब का जिलाधिकारी एम.पी.सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि समय से कार्य पूर्ण करा लिया जाय तथा तालाब को देख कर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान की प्रशंसा की और कहा कि इससे बच्चे, नौजवान, बुजुर्ग लाभान्वित होंगे। उन्होंने तालाब के किनारे-किनारे रनिंग ट्रैक बनाने का निर्देश दिया ताकि सेना में जाने की तैयारी करने वाले लाभान्वित हो सके। जिलाधिकारी के कहा कि तालाब में नाव की भी व्यवस्था की जाए। खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि तालब के चारो तरफ वृक्षारोपण कराया जाय जिससे पर्यावरण के नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तालाब के भूमि पर जितने भी अतिक्रमण है दो दिन के अन्दर हटा कर तालाब को रूप रेखा दिया जाय। सरकार की यह बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। इसके निर्माण कार्य मे किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने समस्त ग्राम के प्रधानो को निर्देशित किया कि जितने भी तालाब को मनरेगा के तहत मजदूरो से काम कराया जाय एवं समय से मनरेगा मजदूरो का भुगतान भी किया जाय।

हरनही चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार तिवारी को मिली बड़ी सफलता

प्रखर गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन टाडा के कुशल निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अरूण कुमार सिंह के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी बांसगांव के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक विवेक मलिक के नेतृत्व में हरनही चौकी प्रभारी अखिलेश तिवारी मय फोर्स के साथ शातिर युवक को किया गिरफ्तार जिसका नाम इंद्रजीत यादव पुत्र रामचंदर यादव बताया जा रहा है युवक के पास तमंचा व कारतूस बरामद किया युवक पर लगभग दर्जन भर केस दर्ज है युवक को माल्हनपार मार्ग औजी मोड़ से किया गिरफ्तार। गिरफ्तार करने वाली टीम हरनही चौकी प्रभारी अखिलेश कुमार तिवारी ,व हेडकांस्टेबल विजयशंकर गिरी, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार,चन्दन खरवार, विकाश सिंह,दीपक यादव।

टूरिस्ट ऑपरेटरस के हाथ लगा झुनझुना - प्रकाश जायसवाल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बीटीटीए महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार और भाजपा 2.0 सरकार की पहली बजट पेश हुई है जो की इसमें टूरिस्टों और टूरिज्म के लिये कोई नया बजट नहीं आया है बीते दो वर्ष पूरे हुए बंदी के कारण टूरिज्म बन्द रहा लोगो का कहींभी आना जाना काफी मात्रा में बंद रहा जिसके कारण हम व्यवसायियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने कहा की हम और हमारी कमेटी योगी और मोदी सरकार की बहुत सम्मान करते है इनके द्वारा लिया गया हर फैसला महत्वपूर्ण और न्यायिक है जिससे राज्य के लोगो के लिये बेहतर भविष्य होगा अभी हाल में ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा एक आदेश आया था जिसमें बताया गया की प्रदेश के अंदर कहीं पर भी अवैध स्टैण्ड नहीं रहेगा हाईवे सड़क पर कोई की वाहन नहीं खड़े होंगे सड़क पर वाहन खड़े होने पर चालान किया जाएगा हम इनके आदेश का सम्मान करते है लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश का उलंघन कर अवैध वसूली उत्तर प्रदेश पुलिस करते दिख रही है बताया की इधर बीच हमारी बस लखनऊ गया था जिसमें टूरिस्ट बैठे थे और उन्हें लखनऊ स्टेशन छोड़ने जा रही थी स्थानीय पुलिसकर्मियों द्वारा बस को रोका गया और चालान करने और बस को बंद करने की बात करने लगे जिसके बाद ड्राइवर मजबूर होकर रुपया देकर अपने आप को और बस को यात्रियों संग जाने में सफल हो पाया` और यह लखनऊ राजधानी में ही नहीं उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में थी हो रही है नेपाल जाते समय कुल्ही बॉर्डर पर भी बसों को रोककर ड्राइवरों से अवैध वसूली किया जा रहा है इस पर योगी सरकार को ध्यान देना चाहिए की सरकार की छवि धूमिल ना हो सके। योगी सरकार के आदेश तो अवैध स्टैंड पर कार्यवाही करने को लेकर जारी हुआ था लेकिन यहां तो देखा जा रहा है उसका दुरुपयोग हो रहा है प्रशासन द्वारा।

टूटी सड़कें बन रही हादसे का सबब, कब जागेगा विभाग

प्रखर संत कबीर नगर। हल्की सी बारिश होने के कारण सड़कों पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे हादसे का सबब बन रहे हैं। सड़क से उड़ने वाली धूल के कारण न केवल हादसे हो रहे हैं बल्कि वाहनों को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है और बीस मिनट के रास्ते में एक घंटे का समय लग रहा है। गिठनी चौराहे पर लोगों ने सड़क की बदहाली को लेकर हाथ उठाकर प्रदर्शन किया। साथ ही सभी ने कहा कि जल्द ही टूटी सड़कों का मरम्मत नहीं हो जाता तो कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा। मौजूद लोगों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग और जनप्रतिनिधि सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। विभाग की लापरवाही कहें या फिर उदासीनता गिठनि से लेकर ओनविलाई तक मार्ग पर सड़क में गड्ढे हैं या फिर गड्ढों में सड़क बनी है। जहां वाहन एक गड्ढे से बचाने के प्रयास में दूसरे गड्ढे में चले जाते हैं और हादसे का शिकार हो रहे हैं। कुछ ऐसा ही हाल चौराहों और आसपास के गांव क्षेत्रों में जाने वाले मार्गों का है।गिठनि चौराहे पर सड़क में बने गहरे-गहरे गड्ढे लगातार हादसे का सबब बन रहे हैं। जिससे आए दिन बाइक सवार और बड़े वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। लेकिन विभाग की उदासीनता के चलते इन गड्ढों को नहीं भरा जा रहा है। अत्यधिक वाहनों के आवागमन के साथ ही इन गड्ढों से धूल उड़ती है जिससे धुंध छा जाने के कारण पीछे चलने वाले वाहनों को सामने वाला वाहन और गहरे गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसा नहीं है कि सामाजिक संगठन या फिर लोगों ने सड़कों को गड्ढा मुक्त कराने की मांग न की है। विभाग शासन से धन आवंटन का रोना रोता है। इस दौरान मौजूद रहे- रत्नेश सिंह, राम उग्रह सिंह, साहिल, विशाल प्रजापति, बब्बू उपाध्याय, प्रेमचंद मिश्रा,दीनानाथ प्रजापति, दयानंद, राजेश प्रजापति, योगेंद्र सहित आदि लोग मौजूद रहे।

अभियुक्त को देशी तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर पुलिस ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त को एक अदद नाजायज देशी तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की शिनाख्त अभिषेक चौबे उर्फ शेरू पुत्र चंद्रेश चौबे निवासी ग्राम बाबतपुर थाना चोलापुर के रूप में हुआ है। चोलापुर पुलिस ने आरोपी पर 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक चोलापुर राजीव कुमार सिंह ने बताया कि चेकिंग के दौरान मुखबिर के सूचना पर बाबतपुर तिराहे से अभियुक्त अभिषेक चौबे उर्फ शेरू को गिरफ्तार किया गया है।तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास से 315 बोर का देशी तमंचा कारतूस बरामद हुआ है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक चोलापुर राजीव कुमार सिंह,अजगरा चौकी प्रभारी उमेश राय,रामजी यादव,रामपाल,सुमंत रावत शामिल रहे।

टयूबवेल पर सो रहे वृद्ध पर धारदार हथियार से हमला, इलाज के लिए जाते समय रास्ते मे मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गौसपुर बुजुर्गा गाँव के सीवान में टयूबवेल पर सो रहे वृद्ध को धारदार हथियार हमला कर घायल कर दिया गया। इलाज को ले जाते समय वृद्ध की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे कप्तान ने मामले की जानकारी ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की देर शाम गौसपुर बुजुर्गा गाँव निवासी विक्रमा यादव उम्र लगभग 55 वर्ष घर से खाना खाने के बाद सीवान में टयूबवेल पर सोने चला गया था। रविवार को गाँव के कुछ लोग शौच के लिए सीवान में गयें थें। टयूबवेल के पास चारपाई पर विक्रमा खून से लथपथ पडा.देख लोग शोर मचाने लगे। मामले की जानकारी होतें ही परिवार के साथ ही ग्रामीणों की भीड़ लग गईं। परिजनों ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गयें, जहाँ हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। बनारस जातें समय रास्ते मे ही विक्रमा यादव की मौत हो गई। घटना की जानकारी होतें ही पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने मौके पर पहुँच कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिवार की तरफ से तहरीर मिलीं है घटना का जल्द ही पुलिस खुलासा कर देगी।

आयुष्मान योजना में अब तक 1.16 करोड़ लाभार्थी परिवारों को सम्मिलित किया गया

प्रखर गाजीपुर। आयुष्मान भारत-समाज के कमजोर वर्गों के लिए गुणवत्तायुक्त निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का शुभारम्भ 2018 में किया था। सितम्बर, 2015 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही थी। जिसके उपरान्त प्रदेश में 23 सितम्बर, 2018 तक कोई भी स्वास्थ्य बीमा योजना संचालित नहीं थी। इस योजना के अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक, जातिगत जनगणना 2011 के आधार पर प्रथमतः 1.16 करोड़ लाभार्थी परिवारों को सम्मिलित किया गया। प्रदेश में यह योजना ट्रस्ट मॉडल पर संचालित की जा रही है।

इस योजना के अन्तर्गत 25 विशेषज्ञताओं से सम्बन्धित 2500 से अधिक पैकेज सम्मिलित किये गये हैं, जिनके अन्तर्गत प्रमुख बीमारियों यथा- हृदय रोग, कैंसर, कूल्हा प्रत्यारोपण, दन्त चिकित्सा एवं विभिन्न शल्य क्रियायें सम्मिलित हैं। प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक रूप से कमजोर बी0पी0एल0 परिवारों के सदस्यों को सालाना 05 लाख रू0 तक के निःशुल्क इलाज के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत सम्मिलित किया गया। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत समान सुविधा एवं साफ्टवेयर का उपयोग करते हुए छूटे हुए परिवारों को सम्मिलित करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान का प्रारम्भ मार्च, 2019 से किया गया है, जिसमें 08.43 लाख अतिरिक्त परिवार शामिल हुए हैं। उ०प्र० भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत 11.65 लाख श्रमिक परिवारों को भी मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान योजनान्तर्गत सम्मिलित किया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत प्रदेश में अन्त्योदय अन्न योजना में पंजीकृत 40.79 लाख परिवारों को माह अगस्त, 2021 में मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। प्रदेश में कुल लाभान्वित परिवारों की संख्या 01.77 करोड़ है, जो कि कुल जनसंख्या का 37 प्रतिशत है। वर्तमान में 52 प्रतिशत लाभार्थी परिवार आयुष्मान कार्ड से आच्छादित हैं, जो राष्ट्रीय औसत 40 प्रतिशत से अधिक है। प्रदेश में इस योजना के प्रचार प्रसार हेतु समय-समय पर विभिन्न अभियान चलाए गए है। जिनमें लाभार्थियों के कार्ड घर-घर जाकर बनाए गए। कार्ड बनाने के लिए परिवारों से सम्पर्क करने के लिए आशा एवं ग्राम स्तरीय कार्मिको को मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान भी की गयी है। नव निर्वाचित प्रधानों को योजना के प्रचार-प्रसार हेतु सरकार ने पत्र प्रेषित कर योजना में सहयोग का अनुरोध किया है। अन्तर्विभागीय समन्वय के आधार पर ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभागों से निरन्तर सहयोग लेते हुए जन जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। योजना के संचालन हेतु 2949 चिकित्सालय योजनान्तर्गत आबद्ध हैं जिनमें सरकारी एवं निजी चिकित्सालय सम्मिलित है। 200 से अधिक चिकित्सालय गम्भीर रोगो से संबंधित है। जिनमे कई कार्पोरेट चिकित्सालय जैसे सहारा एवं अपोलो भी सम्मिलित है। भारत सरकार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में निहित परिवारों को योजनान्तर्गत सम्मिलित करने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का डाटा शामिल करने से प्रदेश के 3.58 करोड़ परिवार लाभांवित होंगे एवं योजना के आच्छादन का विस्तार जनसंख्या के 80 प्रतिशत तक हो जायेगा। प्रदेश के गरीब परिवारों को इस योजनान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल रही है। निःशुल्क चिकित्सीय सुविधाओं से गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आ रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आरोग्य योजनान्तर्ग जनपद में 2,90,307 गोल्डेन कार्ड बनाये गये है प्रत्येक पात्र लाभार्थी परिवार का शत-प्रतिशत गोल्डेन कार्ड जारी किया जाय तथा इस योजना पात्र लाभार्थी अपना इलाज निःशुल्क लाभ प्राप्त कर सकते है।

अब मदरसा एजाजुल उलूम में छात्रों को मिलेगी कम्प्यूटर की तालीम

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। कस्बे का प्राचीन मदरसा एजाजुल- उलूम में अब छात्रों को अब कम्प्यूटर की तालीम मिलेगी। संस्थान के जिम्मेदारों ने संक्षिप्त कार्यक्रम कर लैब का शुभारंभ कर दिया।अब यहाँ के छात्र दीनी तालीम के साथ कम्प्यूटर की भी शिक्षा हासिल कर सकेंगे। रविवार को यहाँ आयोजित कार्यक्रम में कम्प्यूटर लैब का शुभारंभ करते हए बतौर मुख्यतिथि चैयरमैन वसीम अहमद ने कहा कि मदरसे में कम्प्यूटर शिक्षा की तालीम बेहद सराहनीय है, आधुनिकता के दौर में अब मदरसे के छात्र भी हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकते है। उन्होंने कहा कि मामूली शुल्क में बच्चों को शिक्षा दी जा रही है, ऐसे में सभी का सहयोग और प्रोत्साहन आवश्यक है। आलिम-ए दीन मौलाना खालिद मिस्बाही ने कहा की बच्चो को दीनी तालीम के एलावा कम्प्यूटर व अंग्रेजी तालीम दिलाना समय की मांग है। कार्यक्रम की शुरूआत मदरसे की छात्रा तहरीम बानो ने कुरान की तिलावत-ए पाक से की। जबकि शुमाएला बानो , उमरा बानो , आएशा बानो शमा बानो , अंजुम बानो व तस्कीन फातमा ने हम्द व नात के कलाम पेश किए । जोया खान ने अंग्रेजी में कम्प्यूटर की विशेषता बताई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पत्रकार सय्यद तारिक, मौलाना हामिद रजा , फिरोज खान, परवेज अंसारी, इंतेखाब अहमद, आफाक अहमद ,इब्राहीम हबीबी समेत अन्य लोग मौजुद रहे। संचालन हाफिज जुबैर ने किया अध्यक्षता कारी जलालुद्दीन बरकाती ने किया।

नजरिया बदले बिना आदिवासियों का कल्याण असंभव : फादर एक्का

प्रखर वाराणसी। नजरिया बदले बिना आदिवासी समाज का कल्याण असंभव है. आदिवासियों को समझने के लिए आदिवासी नजरिया होना जरूरी है. बिना इसके आदिवासी समाज का निर्माण नहीं हो सकता. तरना स्थित नवसाधना केन्द्र में 'प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण' कार्यक्रम के अंतिम दिन नई दिल्ली स्थित भारतीय सामाजिक संस्थान के फादर भिनसेंट एक्का ने उक्त बाते कही.उन्होंने कहा कि देश में 705 आदिवासी समुदाय है.लेकिन यह इस समाज का दुर्भाग्य है कि उनकी पूरी गिनती तक नहीं है. देश में आदिवासी समाज करीब 20 फीसदी है पर सरकारी गणना में सिर्फ 8.02 फीसदी ही बताया जाता है. उन्होंने कहा कि आज आदिवासियों के स्वशासन का मुद्दा सबसे अहम है.विडम्बना देखिए कि साल 1996 में उनके विकास और उत्थान के लिए बना कानून आज तक लागू नहीं हो सका है. फादर एक्का ने कहा आदिवासियों के बीच डिलिस्टिंग का मुद्दा सबसे अहम होता जा रहा है. देश के कई राज्यों में अपनी

पहचान बचाए रखने के लिए आदिवासी समाज आंदोलनरत है. उन्होंने कहा कि हमेशा से सरकार और आदिवासी समाज में एकदूसरे को समझने को लेकर मतभेद रहा है. सरकार जिसे आवश्यक समझती है वह इस समाज को गैरजरूरी लगता है. ऐसे में आवश्यकता इस बात की है कि हम इस समाज के विकास के लिए अपना नजरिया बदले. राइज एंड एक्ट और सेंटर फार हामोनी एंड पीस व भारतीय सामाजिक संस्थान की तरफ से आयोजित इस शिविर में बदली परिस्थिति में 'सामाजिक कार्यकताओं की क्या भूमिका हो' इस पर समूह चर्चा हुई. चर्चा में आशा ट्रस्ट के वल्लभाचार्य पांडेय ने तकनीक का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रीय एकता, शांति और न्याय के मुद्दों को उठाने पर बल दिया.प्रतिभागियों में असम के वरिष्ठ पत्रकार सैयद रबिऊल हक,उड़ीसा की पुष्पा, यूपी के अंकेश कुमार,अर्शिया खान,शमा परवीन,हरिश्चन्द्र,राम किशोर और विकास मोदनवाल आदि ने अपने-अपने विषय पर विचार व्यक्त किये. समारोह में देश के अन्य राज्यों से आये प्रतिभागियों का यूपी चैप्टर की तरफ की तरफ से अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया. साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया. समारोह का संचालन आयोजक डा.मुहम्मद आरिफ ने किया।

सोनभद्र में बनेगा विरसा मुंडा अध्ययन केंद्र- वाराणसी। 'प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण' कार्यक्रम के अंतिम दिन ये तय हुआ कि जनपद सोनभद्र में डेढ़ एकड़ भूमि पर विरसा मुंडा के नाम पर एक अध्ययन केंद्र बनाया जाएगा. केन्द्र का शिलान्यास 15अगस्त को होगा. इस बात की जानकारी देते हुए आयोजक डा.मुहम्मद आरिफ ने बताया कि सोनभद्र जनपद के नगवा ब्लॉक के ग्राम तेनुडाही के रहने वाले रामजतन खरवार ने विरसा मुंडा के लिए जमीन देने का फैसला किया है. उन्होंने बताया कि केन्द्र का निर्माण वहां रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता रामजनम ,अयोध्या और कमलेश कुमार की देखरेख में किया जाएगा. उन्होंने बताया सेन्टर फार हारमोनी एंड पीस की तरफ से संजय सिंह के संपादन में जनपद कुशीनगर के कसया से साझी विरासत की प्रतिनिधि पत्रिका 'सदभावना सागर' का प्रकाशन जल्द ही शुरू किया जाएगा।

अवैध असलहे के साथ दबोचा गया शनि जायसवाल

प्रखर चंदौली। थानाध्यक्ष सत्येंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में एक अपराधी को असलहा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया चंदौली में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान अलग-अलग थाना क्षेत्रों की पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने में कामयाब हो रही है। इसी क्रम में अलीनगर थाना इलाके में थानाध्यक्ष सत्येंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में एक अपराधी को असलहा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है।अलीनगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज भोर में मुगलसराय इलाके के रहने वाले शातिर अपराधी शनि जायसवाल को चंदरखा अंडरपास के करीब सर्विस रोड के पास से गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 315 बोर का एक अवैध कट्टा और जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। पकड़ा गया अपराधी शनि जायसवाल मुगलसराय कोतवाली के कालीमहाल इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है।अलीनगर पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के बाद इसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही शुरू कर दी है।बताया जा रहा है कि इस को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह के अलावा उप निरीक्षक सुनील कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल बेचन सिंह और देवेंद्र पांडेय, जयप्रकाश सिंह और अनुराग सिंह शामिल हैं।

राष्ट्रपति दौरे की तैयारियां का जायजा लेने 29 को गोरखपुर आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रखर गोरखपुर। राष्ट्रपति डॉ. रामनाथ कोविंद अपने कार्यकाल में लगातार तीसरी बार दो दिवसीय दौरे पर 4 जून को गोरखपुर आएंगे। उनके आगमन के पूर्व तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रविवार को दौरे पर गोरखपुर आ रहे हैं। इसके मद्देनजर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को दोपहर बाद गोरखपुर आएंगे। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।रविवार को गोरखनाथ मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम के बाद लखनऊ रवाना होंगे। संभावना

जताई जा रही है कि सोमवार को मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के दौरे के मद्देनजर मगहर, संत कबीर की समाधि स्थली पर हुई तैयारियों का जाएजा लेने जा सकते हैं। देर शाम तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रोटोकॉल नहीं आया था। लेकिन उनके आगमन के मद्देनजर गोरखनाथ मंदिर एवं जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। बता दें कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 4 जून को गोरखपुर आएंगे। अगले दिन 5 जून को संत कबीर की स्थली मगहर जाएंगे।

लक्ष्मी नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट एण्ड हास्पिटल में सांसद मनोज तिवारी ने नर्सिंग छात्राओं को किया टैब वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लक्ष्मी नर्सिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट एण्ड हास्पिटल काजीसराय हरहुआ में प्रबन्धक डाक्टर अशोक राय के संग सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली मनोज तिवारी ने नर्सिंग कर रही एनएम और जेनएम के फाइनल ईयर के छात्राओं को टैब का किया वितरण ` सांसद मनोज तिवारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताए की नर्सिंग की छात्राओं का मनोबल बढ़ाने की जरूरत है क्यूंकि नर्सिंग एक बहुत बड़ा फ्यूचर है तो निश्चित रूप से लोगो को आकर्षण करना है की नर्सिंग करके छात्राएं अपना भविष्य बनाकर आगे बढ़ सकती है जिसके लिये डाक्टर अशोक राय

का धन्यवाद` छात्राओं को टैब वितरण के दौरान उन्हें अच्छे से मन लगाकर पढ़ने की दी सलाह बताया की बीते दो वर्ष पूर्व जब लोगो को एक बीमारी के कारण हास्पिटल जाना पड़ा था उस समय नर्सिंग छात्राओं ने अपनी मेहनत से मरीजों का ख्याल रखा और वह स्वस्थ्य होकर अपने अपने घर जा पाए थे नर्सिंग की छात्राएं यह सब सुनकर खुश हो उठी और धन्यवाद दिया। नर्सिंग कर रही एनएम और जेनएम के फाइनल ईयर के छात्राओं को लगभग 60 टैब का किया गया वितरण। टैब वितरण के दौरान सांसद मनोज तिवारी के संग डाक्टर अशोक राय , डाक्टर अमर अनुपम पाण्डेय , एडवोकेट अतुल सिंह ,शैलेश राय , अशोक कुमार सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

टोल प्लाजा हटाने को लेकर किसानों ने कैबिनेट मंत्री से लगाई गुहार

प्रखर अहरौरा, मिजार्पुर। क्षेत्र की सबसे गंभीर समस्या को लेकर सक्रिय किसान नेताओं ने दिन रविवार को जिलाध्यक्ष कंचन सिंह फौजी के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन का प्रतिनिधिमंडल अष्टभुजा डाक बंगला विंध्याचल मिजार्पुर में अहरौरा उत्तर प्रदेश स्टेट हाईवे 5 पर लगाए गए अवैध टोल प्लाजा के संदर्भ में प्राविधिक शिक्षा उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप विभाग के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल जी से मिलकर पत्रक दिया अपने मांग पत्र में कहा कि अहरौरा में नव निर्मित टोल अवैधानिक है जबकि पहले से ही फतेहपुर में स्थापित है जिसकी दूरी मात्र 16 किलोमीटर है जबकि डीपीआर में भी मात्र 3 टोल ही है तो यह चौथा टोल क्यों इस पर मंत्री जी ने आश्वासन दिया कि इसको हटवाते है, जिसमे प्रदेश सचिव प्रह्लाद सिंह, मंडल अध्यक्ष अनिल सिंह, जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर अरुणेश कुमार सिंह, इंजीनियर प्रवीण कुमार सिंह ,तहसील अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, कांता सिंह पूर्व प्रधान, समय दर्जनों किसान नेता मौजूद रहे।

32 बोर पिस्टल और कट्टे के साथ 5 किलो गांजा बरामद 2 गिरफ्तार

प्रखर चंदौली। जिले के स्वाट सर्विलांस से अली नगर थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हाइवे एनएच 2 पर चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार 2 शातिर बदमाशों को 5 किलो गाजा और 32 बोस तथा 1 तमंचा 315 बोर व कारतूस के साथ ही रफ़्तार किया गया है इस सम्बन्ध में बताया गया कि पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी व हुआ बिक्री पर रोक थाम के रोकथाम के लिए दिए गए आदेश के क्रम में पुलिस ने यह सफलता पाई गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम पुलिस ने इरफान अंसारी निवासी राई था थाना धीना जनपद चन्दौली तथा सद्दाम अंसारी निवासी नुआव थाना नुआव जनपद कैमूर बिहार बताया है गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने दोनों को संबंधित धाराओं में चालान किया है गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में स्वाट टीम प्रभारी अजीत कुमार सिंह थाना अध्यक्ष उपनिरीक्षक सतेंद्र विक्रमसिंह उपनिरीक्षक स्वार्थ सर्विलांस टीम शैलेंद्र प्रताप सिंह उपनिरीक्षक आलू मिल चौकी प्रभारी नसीमुद्दीन सहित पुलिस के कई जवान शामिल रहे।

समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित की गई विचार गोष्ठी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में किसानों के मसीहा एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर जिलाध्यक्ष रामधारी यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व सभी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किसानों के हित में संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस गोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी किसानों के मसीहा थे। वह किसानों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझते थे। वह कहा करते थे कि असली भारत गांव में रहता है। देश की तरक्की का रास्ता गांव के खेत खलिहानों से होकर गुजरता है। राष्ट्र तभी सम्पन्न हो सकता है जब उसके ग्रामीण क्षेत्र का उन्नयन किया गया हो। वह भ्रष्टाचार के घोर विरोधी थे, वह निहायत ईमानदार व्यक्ति थे। वह कहते थे कि जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वह देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। साथ भाजपा सरकार का रवैया सौतेलापूर्ण और संवेदनहीन हो गया हो। ऐसे दौर में देश का किसान बहुत ही शिद्दत से चौधरी साहब को याद कर रहा है। इस विचार

आज जब देश का किसान अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलित है, खाद की किल्लत से जूझ रहा है, बढ़े हुए बिजली और डीजल के दामों के चलते उसकी आय निरन्तर घट रही है, किसानों के साथ भाजपा सरकार का रवैया सौतेलापूर्ण और संवेदनहीन हो गया हो। ऐसे दौर में देश का किसान बहुत ही शिद्दत से चौधरी साहब को याद कर रहा है। इस विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से अरुण कुमार श्रीवास्तव, दिनेश यादव, चन्द्रिका यादव, अमित ठाकुर, संदीप यादव, संतोष यादव, कमला यादव, लड्डन खां, जितेन्द्र पाल आदि उपस्थित थे।

बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन यूपी उत्तराखंड का 10वां त्रैवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन सम्पन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन यूपी उत्तराखंड का 10 वां त्रैवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन बीएचयू स्थित मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र के सभागार में संपन्न हुआ।सभा के द्वारा विभिन्न प्रस्ताव पारित किए गए जो प्रबंधन एवं सरकार को भेजा जाएगा।

1.खाली पड़े पदों को शीघ्र भरा जाए एवं उचित संख्या में नियुक्ति की जाय।

2.स्थाई पदों की आउटसोसिंग के खिलाफ आंदोलन एवं विरोध प्रदर्शन

3.बैंकों के निजीकरण के खिलाफ लंबी हड़ताल का प्रस्ताव।

बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन यूपी उत्तराखंड की प्रांतीय कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ जिसमे निम्न पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए। अध्यक्ष अरविंद पांडेय

,वर्किंग प्रेसिडेंट सुनील शुक्ला,महामंत्री अनन्त कुमार मिश्र ,उप महामंत्री सुशील गुप्ता, कार्यालय सचिव विवेक गुप्ता , सहायक महामंत्री कुलदीप राज चुनाव पर्यवेक्षक की भूमिका फेडरेशन के महासचिव साथी दिनेश झा ने निभाई एवं चुनाव अधिकारी आर बी चौबे ने निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की जो अगले तीन वर्ष तक कार्यरत रहेंगे।

यूपी अग्रणीय राज्यों की सूची से बाहर हो चुका है - विधायक तूफानी

प्रखर जौनपुर । सदन के बजट भाषण करते हुए केराकत के विधायक तूफानी सरोज ने सदन मे दहाड़ उन्होंने कहा एक तरफ भाजपा सरकार 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने की बात कर रही है, दूसरी ओर दावा कर रही है कि यूपी पिछड़े राज्यों की सूची से बाहर हो कर अग्रणी राज्य बन चुका है लेकिन आज वर्तमान समय मे आधे लोग निर्धन राशन कार्ड पर निर्धारित है किस विकास की बात कर रहे हैं झूठ की बुनियाद पर भाजपा सरकार है लगातार भाजपा सरकार कह रही है कि वे उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाएंगे लेकिन उत्तर प्रदेश तो 26 पिछड़े राज्यों से पिछे है 2017 मे उत्तर प्रदेश की हालत बहुत ठीक था आप लोग किसानों को 18 घंटे बिजली देने की बात सदन मे कर रहे जनता क्षेत्र में इन्तजार कर रही है सत्ता के विधायक मंत्री का क्षेत्र के गावों मे बैठाकर हिसाब लेगी कितना बिजली दे रहे है वहीं उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग के छात्रों के छात्रवृत्ति नहीं दी गई है वित्त मंत्री जी पिछड़ों को साथ इस तरह अन्याय मत कीजिए बजट और बढाईये भाजपा सरकार लगातार कह रही कि भारत का सबसे बड़ा आलीशान जेवर एयरपोर्ट बन रहा है है मगर जनता जानना चाह रही है कि वह एयरपोर्ट किस को बेचने का काम करेगा भाजपा सरकार

वहीं कोरोना काल के बारे मे कहते हुए कहा की इस सदन में भाजपा के लोग बहुत मजबूती से झूठ बोलते हैं प्रयागराज मे मंत्री का बयान था कि करोना काल में कोई मौत ऑक्सीजन के नहीं हुई वही गंगा के किनारे लाशों का ढेर जेसीबी मशीन से दफना दिया गया जब लाशें पानी मे बहने लगी तब मंत्री ने कहा परिजन लाश छोड़कर चले गए इस प्रदेश के लोग अन्य प्रदेशों में रहते हैं और जब वहां मृत्यु हो जाती हैं तब वे लाश को गांव लेकर आते हैं कैसे कोई लाश को छोडकर चला जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

अमित सिंह बने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के संगठन मंत्री

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना वाराणसी द्वारा संगठन के विस्तार हेतू अजगरा विधानसभा में बैठक आयोजित की गई, कार्यक्रम में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से अमित सिंह को जिला संगठन मंत्री वाराणसी के पद पर मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकाश सिंह जी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ सुनील सिंह, जिलाध्यक्ष आलोक सिंह, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष प्रेम सिंह रघुवंशी, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, उपाध्यक्ष राकेश सिंह ऋषि,अजगरा विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह, अखिलेश्वर सिंह, गणेश सिंह, एवम जिले के समस्त करणी सैनिक उपस्थित रहें।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर अभिमन्यु सिंह को बनाए जाने पर छात्र नेताओं ने दी बधाई

प्रखर दानगंज वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के नए चीफ डॉक्टर बनाए जाने पर अभिमन्यु सिंह को वाराणसी के छात्र नेताओं द्वारा सम्मानित किया गया।इस मौके पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र नेता व समाजवादी पार्टी के क्रांतिकारी नेताओं आशुतोष सिंह यीशु ने अपने सभी छात्र नेताओं के साथ मिलकर बधाई व शुभकामनाएं दी। छात्र नेता आशुतोष सिंह यीशु ने बताया कि अभिमन्यु सर पहले पूर्व विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग एवं वर्तमान जनरल सेक्रेटरी स्पोर्ट्स बोर्ड के प्रोफेसर रहे है। इस मौके पर छात्र जो मुलाकात किए सुमित सिंह, गुलाम सरवर, अतुल देव पाण्डेय, सत्यम राय, अंकित पाल, त्रिपाठी, अंकित पाण्डेय, सुमित यादव, हिमांशु मिश्रा, सुभम पाण्डेय, अवधेश यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

तृतीय वाराणसी जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बाबा विश्वनाथ की धरती पर डालिम्स सनबीम स्कूल चौबेपुर में तृतीय वाराणसी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक श्री अवध किशोर सिंह,डॉ राकेश सिंह जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व अध्यक्ष जिला इकाई योगा वाराणसी,अमित पांडेय कार्यकारिणी सदस्य उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ व विद्यालय के चेयरमैन चंद्र कुमार मिश्रा गुड्डू महाराज व प्रबंधक अलका मिश्रा उपस्थित रही। विद्यालय में स्वागत भाषण में डॉ राकेश सिंह जी ने समस्त अतिथियों का तथा निर्णयको व समस्त खिलाड़ियों को शिक्षकों का इस प्रतियोगिता मैं स्वागत किया।विद्यालय द्वारा कृष्ण रासलीला, दिप योग तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में योग पर प्रकाश डाला। तथा कार्यक्रम की भूरि- भूरि प्रशंसा की।धन्यवाद ज्ञापन एवं अतिथियों का सम्मान विद्यालय के चेयरमैन चंद्र कुमार मिश्रा उर्फ गुड्डू महाराज के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।इस अवसर पर उक्त जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य व उत्तर प्रदेश योग एसोसिएशन जिला वाराणसी के सचिव द्वारा किया गया।

पुलिस बल के साथ सीओ ने निकाला पैदल मार्च

प्रखर चंदौली। धानापुर कस्बा में एसपी के निर्देश पर सीओ अनिरुद्ध सिंह ने पैदल मार्च किया। सीओ अनिरुद्ध सिंह व थाना प्रभारी निरीक्षक विनय प्रकाश सिंह के साथ भारी पुलिस बल के साथ धानापुर चौराहे पर एकत्र हुए।सीओ अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि कस्बा में शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से पैदल मार्च किया गया और प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। पैदल मार्च के दौरान सभी सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले व्यक्तियों की चेकिंग की गई और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले लोगों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई गई।सड़क पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भी सड़क पर अतिक्रमण न करने एवं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई।पुलिस के पैदल मार्च के दौरान कस्बा में अफरा तफरी मची रही और दुकानें धड़ाधड़ बंद होती रही। इस दौरान सीओ अनिरुद्ध सिंह निरीक्षक विनय प्रकाश सिंह और अन्य पुलिस उपस्थित थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं